सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 241 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में लगी मछली पकड़ने पर पाबंदी, 15 अगस्त तक क्लोज सीजन घोषित

भिलाई। मछली पकड़ने पर दुर्ग जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में 15 अगस्त तक पाबंदी लगा दी गई है। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) को दृष्टिगत रखते हुये उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम-1972 की धारा-3 उपधारा-2 (दो) के तहत् 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को ''बंद ऋतु (क्लोज सीजन)'' के रूप में घोषित किया गया है।

उप संचालक मत्स्य सुश्री सीमा चन्द्रवंशी से मिली जानकारी अनुसार जिले के सभी तालाबों एवं जल स्त्रोतों में जिनका संबंध नदी नालों से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर को छोड़कर, सभी प्रकार के जल संसाधनों में 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक मत्स्याखेट कार्य पूर्णत: निषिद्ध रहेगा। इन नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम के नियम-3 (5) के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10,000 रुपए का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होगें।

भू-माफियाओं को जमीन बेचने वाले किसानों को नोटिसः छोटे प्लॉट काटकर बेचने के आरोपी 80 से अधिक को नोटिस जारी

भिलाई। नगर निगम ने क्षेत्र के 80 से अधिक ऐसे किसानों को नोटिस जारी किया है, जिनके खेतों को छोटे छोटे टुकड़ों में प्लॉटिंग करके रजिस्ट्री की गई है। इस नोटिस के बाद किसानों में आक्रोश पनप रहा है। उनका कहना है कि उन्होंने खेत बेचा है, प्लॉटिंग भूमाफियाओं ने की है। इसलिए कार्रवाई उन पर होनी चाहिए।

आयुक्त नगर पालिक निगम के द्वारा 29 मई को सभी किसानो को नोटिस जारी की गई है। नोटिस में लिखा गया है कि उनके खिलाफ नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग करने के साक्ष्य मिले हैं। इसको लेकर उप पंजियक जिला दुर्ग के द्वारा निगम को पत्र लिखा गया है।जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि नोटिस धारक किसान के द्वारा अपनी जमीन को प्लॉटिंग करके बेचा गया है। ये नगर पालिक निगम अधिनियम और कालोनाइजर का रस्ट्रीकरण निर्बाधन व शर्ते नियम के तहत गलत है। निगम ने सभी किसानों से 15 दिन के भीतर उनका मांगा है। नोटिस में स्पष्ट लिखा है कि यदि किसानों ने संतोष जनक जवाब नहीं दिया तो उनके खिलाफ तीन साल से 7 साल तक की कैद और एक लाख रुपए तक के जुर्माने की सजा का प्रावधान है। इससे किसान काफी डर गए हैं और वो इसके खिलाफ कलेक्टर से गुहार लगाने जाने वाले हैं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : सामने आया पायलट का आखिरी मैसेज, बोले- मेडे... नहीं बचेंगे

हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 तक पहुंचा, शनिवार को मिला एक शव

अहमदाबाद ए.। अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामले में पायलट सुमित सभरवाल का एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को भेजा गया आखिरी मैसेज सामने आ गया है। 4 से 5 सेकंड के इस मैसेज में सुमित कह रहे हैं कि मेडे, मेडे, मेडे- थ्रस्ट नहीं मिल रहा, पावर कम हो रही है, प्लेन नहीं उठ रहा है, नहीं बचेंगे। इसके बाद प्लेन क्रैश हो गया। एयर इंडिया का विमान जिस हॉस्टल बिल्डिंग गिरा है, उसमें 34 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मरने वालों का आंकड़ा 275 हो गया है। शनिवार की सुबह भी एक शव मिला है।

अहमदाबाद में प्लेन क्रैश वाली जगह से शनिवार को एक और शव बरामद हुआ है। आज जब बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल में फंसा हुआ था, जिसे नीचे उतारा। बाद में इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। वहीं आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। सिविल अस्पताल के बाहर परिजन की भीड़ है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। पोस्टमॉर्टम यूनिट के आसपास बाहरी लोगों की एंट्री बंद है।दिव्य भास्कर के मुताबिक, सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई जिन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

प्लेन हादसे में अब तक 275 की मौत हो चुकी है। विमान में क्रू मेंबर और पैसेंजर सहित कुल 242 सवार थे जिनमें से 241 की मौत हो चुकी है। वहीं एक यात्री की जान बच गई। प्लेन बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा था। यहां के कुल 34 लोगों की जान गई है। 5 डॉक्टर सहित वहां मौजूद अन्य स्टाफ की मौत हो गई।

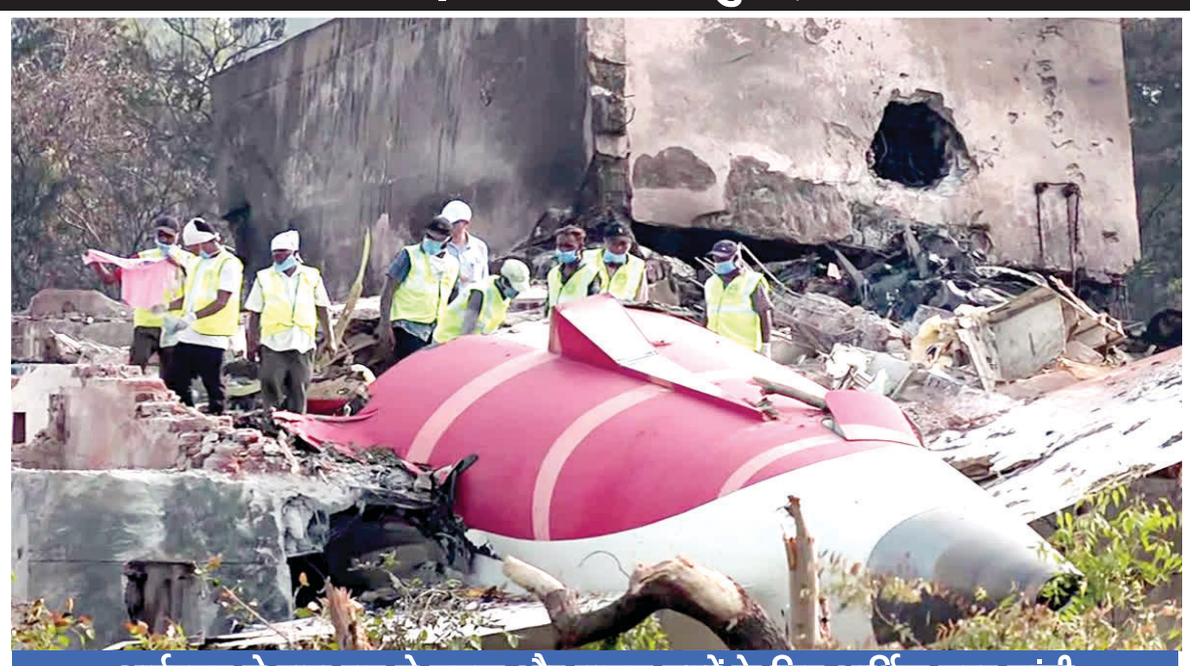

आईएमए ने टाटा ग्रुप से मृतक और घायल छात्रों के लिए आर्थिक मदद मांगी

बता दें टाटा ग्रुप ने विमान हादसे में मरने वाले यात्रियों के परिजनों को एक-एक करोड़ का मुवावजा देने का ऐलान किया है। लेकिन मरने वाले हास्टल के छात्रों का जिक्र नहीं है। इधर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की गुजरात ब्रांच ने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को पत्र लिखा है। आईएमए ने कहा कि अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों को 1 करोड़ के मुआवजे की घोषणा और बीजेएमसी कॉलेज हॉस्टल के रेनोवेशन में मदद के लिए आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही उन छात्रों के लिए आर्थिक मदद की उम्मीद करते हैं, जो हॉस्टल में प्लेन क्रैश होने से मारे गए या घायल हुए।

हादसे वाला विमान 5 साल पहले 7 महीने ग्राउंडेड रहा था

हादसे का शिकार हुआ बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 वीटी-एएनबी 36279) 17 नवंबर, 2019 से 7 महीने तक ग्राउंडेड रहा था। हालांकि, इसकी वजह आज तक सामने नहीं आई। इंटरनेशनल एविएशन इंडस्ट्री के लिए गहराई से रिसर्च, रियल-टाइम ट्रैकिंग करने वाली कंपनी 'सिरियम' के मुताबिक ग्राउंडेड के वक्त विमान मुंबई एयरपोर्ट पर स्टोरेज में रखा गया। फिर 14 जून 2020 को दोबारा सर्विस में आ गया। यह अवधि सामान्य शेड्यूल मेंटेनेंस टाइम से कहीं ज्यादा है। आम तौर पर एओजी (एयरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड) का विवरण पब्लिक डोमेन में होता है, लेकिन इसका आज तक नहीं है।

इधर इस मामले में गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सिंघवी ने कहा कि फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी हर परिवार के डीएनए का मिलान जल्द से जल्द करने के लिए काम कर रही है। भारत सरकार ने भी फोरेंसिक विशेषज्ञों के रूप में बड़ी मदद भेजी है। हम इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

उड्डयन मंत्रालय ने गठित की उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति, हादसे के कारणों का लगाएगी पता

नई दिल्ली। अहमदाबाद में दो दिन पहले हुए भीषण विमान हादसे की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठन किया गया है। यह समिति 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से गैटविक हवाई अड्डे (लंदन) के लिए एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच करेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने ट्वीट कर समिति के गठन की जानकारी दी है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक समिति ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए जारी मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और दिशानिर्देशों की भी जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशानिर्देश सुझाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह भी बताया है कि समिति संबंधित संगठनों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का विकल्प नहीं होगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए एसओपी तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे पहले, विमानन नियामक डीजीसीए ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दिया है।

छत्तीसगढ़ में जीवित वृद्धा को मृत बताकर दूसरे के नाम किया जमीन का नामांतरणः तहसीलदार निलंबित

शिकायत की जांच में दोषी पाए जाने पर सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा की सख्त करवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के ग्राम कोयलारी तहसील भैयाथान में फर्जीवाड़े ही हद हो गई। यहां के तहसीलदार ने एक जीविज वृद्धा को मृत बताकर फर्जी दस्तावेजों के सहारे उसकी जमीन को दूसरे नाम पर नामांतरण कर दिया। वृद्धा की शिकायत पर जांच हुई और उसके बाद संभागायुक्त ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तहसीलदार को निलंबित कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार आवेदिका शैल कुमारी दुबे ने 26 मई 2025 को शिकायत प्रस्तुत कर बताया कि तहसीलदार संजय राठौर द्वारा सांठगांठ कर उन्हें मृत दर्शाते हुए उनकी निजी स्वामित्व की भूमि (खसरा क्रमांक 45/3, रकबा 0.405 हे.) जिसका रिनंबरिंग में नया खसरा नंबर 344 है, जिसका अनुचित नामांतरण कर विक्रय किया गया।

आवेदिका शैल कुमारी की शिकायत पर अपर कलेक्टर सूरजपुर एवं तहसीलदार लटोरी की संयुक्त टीम द्वारा जांच की गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार संजय राठौर द्वारा जीवित आवेदिका को मृत बताकर उनकी भूमि का नामांतरण सौतेले पुत्र वीरेन्द्रनाथ दुबे के पक्ष में किया गया जो कि प्रथम दृष्टया अनैतिक एवं नियम विपरित पाया गया।

प्रारंभिक जांच में राठौर को अपने पदीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता का दोषी पाए जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 का उल्लंघन माना गया है। फलस्वरूप कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत नियम 9(1)(क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में राठौर को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी, तथा निलंबन अवधि के लिए उनका मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, बलरामपुर-रामानुजगंज नियत किया गया है।

मोबाइल दुकान में चोरी, लाखों रुपए के मोबाइल पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के थाना अमलेश्वर क्षेत्र में स्थित एक मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। दुकान बंद होने के बाद चोरों ने सेंधमारी की और आई फोन के साथ 10 पैक मोबाइल पार कर दिया। दुकान से लगभग 4 लाख रुपए के मोबाइल चोरों ने पार किया और पुलिस ने अपनी एफ्आईआर में मात्र 45 हजार उसकी कीमत लिखी जबकि एक आईफोन की कीमत ही 50 हजार से ज्यादा की होती है। बहरहाल अमलेश्वर पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 305(ए), 331(4) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में सुनील टेंभरे (31) ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि खुड़मुड़ा मोड़ पर उसकी मोबाइल दुकान है। 11 जून 2025 की रात करीबन 09:30 बजे उसने दुकान में ताला लगाया और अपने घर चंगोरा भाठा चले गया। दूसरे दिन सुबह 6 बजे खुड़मुड़ा मोड पर रहने वाले दुर्गेश चक्रधारी फोन कर बताया कि तुम्हारे दुकान का ताला टुटा हुआ है।

इसके बाद सुनील टेंबरे तत्काल अपनी दुकान पहुंचा और देखा कि ताला टुटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो समान बिखरा हुआ था। समान का मिलान करने पर एक आई फोन 11 प्रो, एक आईफोन 11, एक वीवो वाय 91आई, एक वीवो जेड 1 प्रो, एक रियलमि सी-11, एक ओप्पो ए 1 के, एक रेडमी 8-ए ड्वूल, एक ओप्पो ए-5, एक सैमसंग ए-72, एवं एक रेडमी 6 चोरी हो गया। घटना की रिपोर्ट पर अमलेश्वर पुलिस ने पूरे मोबाइल की कीमत 45,000 रुपए नोट कर शिकायत दर्ज किया। जबकि दुकानदार ने बताया कि उक्त मोबाइल की कीमत 4 लाख से ज्यादा है।

रायपुर के डामर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के उरला में एक डामर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग इतनी भयानक है कि, आसमान में काले धुएं का गुबार करीब 5 किलोमीटर दूर तक दिख रहा है। फ्लिहाल, मौके पर 4 से 5 दमकल की गाड़ी आग को कंट्रोल करने की कोशिश में जुटी है। मामला उरला थाना क्षेत्र का है।

राजा की हत्या का जिम्मेदार कौन?

श्रीकंचनपथ

इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसकी नई नवेली दुल्हन सोनम ने अपने प्रेमी राज के साथ मिलकर शादी से पहले ही इसकी प्लानिंग कर ली थी। राज ने इसके लिए गैंग बनाई और वारदात को अंजाम तक पहुंचाया। सोनम की जिद पर राजा रघुवंशी ने पहाड़ों में हनीमून पर जाना स्वीकार किया था। प्लान यही था कि उसकी हत्या पहाड़ों में या जंगलों में कर दी जाएगी। इसके कुछ दिन बाद सोनम प्रकट होगी और अपहरण और हत्या की कहानी सुनाएगी। फिर प्लान बदला और तय हुआ कि सोनम की भी मौत का ड्रामा स्टेज कर दिया जाएगा। इसके बाद राज और सोनम नए नाम और नई पहचान के साथ किसी दूसरे शहर में नई जिन्दगी शुरू कर सकेंगे। पर कहते हैं अपराध कभी छिपता नहीं। देर सबेर सामने आकर रहता है। सोनम के साथ भी यही हुआ। तमाम सावधानियां और प्लानिंग के बावजूद उनका प्लान कामयाब नहीं हुआ। सभी आरोपी पकड़े गए और भांडा फूट गया। बेचारे राजा को खामख्वाह अपनी जान गंवानी पड़ी। प्रथम दृष्टया इस मामले में सोनम और उसका प्रेमी राज इस मामले में आरोपी हैं। पर समाज भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। जिस तरह सोनम और राजा को शादी के बंधन में बांधा गया वह भारत में बेहद आम है। यहां दूल्हे की योग्यता दुल्हन नहीं बल्कि उसके घर वाले तय करते हैं। इसमें स्टेटस, कमाई, जात-पांत, खानदान, कुण्डली, आदि कई मुद्दे होते हैं। अकसर प्रेमी इन कसौटियों पर फिट नहीं बैठता और वह हाथ मलता रह जाता है। प्रेमिका जबरदस्ती किसी योग्य वर से ब्याह दी जाती है। कई बार प्रेमी या प्रेमिका खुद ही विवाह करने से मुकर जाते हैं। अधिकांश ऐसे मामलों में प्रेमी गम खाकर चुप हो जाता है। पर सभी की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं होती। कोई पुरानी तस्वीरों के आधार पर प्रेमिका को ब्लैक मेल करने लगता है तो कोई गुपचुप मिलना जारी रखता है। पकड़े जाने पर प्रेमी-प्रेमिका की पिटाई से लेकर हत्या तक कर दी जाती है। सोनम का मामला थोड़ा सा भिन्न है। सोनम ने परिवार के आगे सिर झुकाकर ब्याह तो रचा लिया पर सुहागरात नहीं मनाई। उसने शर्त रख दी कि पहले वह कामाख्या मंदिर में दर्शन करेगी और इसके आगे ही दोनों का जिस्मानी रिश्ता बन सकता है। राजा को उसकी जिद के आगे झुकना पड़ा। हनीमून के दौरान ही उसकी हत्या कर दी गई। इस तरह एक साथ कई जिन्दगियां तबाह हो गईं। इससे बचा जा सकता था। अगर प्यार इतना ही गहरा था तो सोनम को खुलकर विरोध करना चाहिए था। वह भाग सकती थी। पुलिस या अदालत की मदद ले सकती थी। उसने अपने हाथों से अपना पूरा जीवन नष्ट कर लिया। ऐसी घटनाएं पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही हैं। यह समस्या सामाजिक है, इसलिए समाज को ही इसका हल भी ढूंढना होगा।

संपादकीय

बड़ा नुकसान हो तो नक्सली पलटवार करते हैं

नक्सलियों को जब भी बड़ा नुकसान होता है,उनका कोई बड़ा ठिकाना नष्ट कर दिया जाता है या फिर कोई बड़ा नेता मार दिया जाता है तो नक्सली पलटवार जरूर करते हैं। ऐसा वह कई बार कर चुके हैं, इसलिए सुरक्षा बलों को भी मालूम है। इसलिए सुरक्षा बल व पुलिस नक्सलियों को बड़ा नुकसान पहुंचाते हैं तो वह सजग रहते हैं, अपनी सुरक्षा में कोई चूक नहीं करते हैं। वह नक्सलियों का कोई मौका नहीं देते हैं कि वह पलटवार कर सुरक्षा बल या पुलिस को किसी तरह का नुकसान पहुंचा सकें। सजग रहने के बाद भी कई बार चूक हो ही जाती है और मौके का इंतजार कर रहे नक्सली फायदा उठा लेते हैं। सुकमा जिले के कोंटा ब्लाक के डोड्रा के पास नक्सली मौके का फायदा उठाने में सफल हो गए।

> *अपनी सुरक्षा के प्रति सजग जवाब नक्सलियों के बिछाए जाल को समझते हुए उस जगह चले गए और ताक मे बैठे नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया। इस विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद हो गए और कोंटा एसडीओपी भानुप्रताप चंद्राकर व थाना प्रभारी सोनल ग्वाला घायल हो गए। कई बार नक्सली ऐसा कर चुके हैं, पुलिस व सुरक्षा बल इस बात को बखूबी जानते हैं। इस बार पुलिस व सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के सबसे बड़े ठिकाने को नष्ट करने के साथ ही उसके सबसे बड़े नेता को ढेर किया। उसके बाद दो और बड़े नेताओं का भी कुछ दिनों के भीतर ढेर कर दिया है। यह नक्सलियों के लिए बहुत बड़ा नुकसान था, वह इसका बदला लेने के लिए ही डोड्रा में पोकलेन को आग लगा दी थी, वह जानते थे पोकलेन को आग लगाने की खबर पर पुलिस टीम मौके पर जरूर आएगी।*

पुलिस टीम भी इस बात को जानती थी कि पोकलेन का आग लगाना नक्सलियो की चाल हो सकती है, इसलिए पुलिस टीमने मौके पर पहुंचने से पहले मुखबिर को मौके पर भेजा कि जाओ पता कर आओ कि वहां कोई खतरे की बात तो नहीं है, मुखबिर ने लौट कर बताया कि वहां तो कुछ भी गड़बड़ी नहीं है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जहां पक्की सड़क खत्म हो गई, वहां से पुलिस टीम पैदल कच्चे रास्ते पर बढ़ रही थी। इस दौरान एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे अपनी टीम को सावधान करते चल रह थे कि इसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया है।

एएसपी गिरिपुंजे अपनी टीम को बचाने में सफल रहे लेकिन खुद को नहीं बचा सके। अगर कच्चे रास्ते पर पुलिस टीम वाहन के साथ गई होती तो नक्सली पुलिस वाहन को उड़ाकर में सफल हो जाते और पुलिस टीम शहीद हो जाती। सुरक्षा बलों व पुलिस ने नक्सलियों का बड़ा नुकसान कर चुके हैं और कर रहे है, ऐसे नक्सली मौके की ताक में थे और मौका पाकर पलटवार किया भी। नक्सलियों के पलटवार से बड़ा नुकसान हो सकता था, शुक्र है कि नहीं हुआ। नक्सली बड़े नेता के मारे जाने के जवाब में पहले भी एसपी व एएसपी को निशाना बनाया है। 2000 नारायणपुर में एएसपी भास्कर दीवान सहित 24 नक्सलियों के हमले में शहीद हुए थे। 2009 में राजनांदगांव के एसपी वीके चौबे सहित 30 जवान शहीद हुए थे। 2011 में एएसपी राजेश पवार सहित 11 जवान गरियाबंद में शहीद हुए थे। इस बार पुलिस टीम सजग थी इसलिए एएसपी शहीद हुए दो अफसर घायल हुए। नक्सली आगे भी इसी तरह जाल बिछाकर हमला कर सकते हैं, सुरक्षा बल व पुलिस के जवानों को सजग रहने की जरूरत है।

भारत में लगातार घटती गरीबी और बढ़ती धनाड्यों की संख्या

उमेश चतुर्वेदी

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थान अब यह स्पष्ट रूप से मानने लगे हैं कि विश्व में भारत की आर्थिक ताकत बहुत तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वे रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारत में पिछले बीते वर्ष में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं उनकी संपतियों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि विश्व के कई देशों विशेष रूप से विकसित देशों में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं इनकी सम्पत्ति में वृद्धि दर लगातार नीचे गिर रही है। इसका आश्य तो अब यही लगाया जा सकता है विश्व में आर्थिक शक्ति अब पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रही है।

भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध सम्पत्ति 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होती है उसे उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (HNWI) कहा जाता है। पिछले वर्ष भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की औसत सम्पत्ति 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि विश्व में यह औसतन 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि भारत में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़कर 378,810 हो गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्थात 129 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। वर्ष 2024 में भारत में 4,290 अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति निवास कर रहे थे, जिनकी कुल सम्पत्ति 53,477 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी। अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति उस नागरिक को कहते हैं जिसकी शुद्ध सम्पत्ति 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर अथवा उससे अधिक होती है।

भारत में तो उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है परंतु यूरोप में इनकी संख्या 2.1 प्रतिशत घटी है। ब्रिटेन में 14,000, फ्रान्स में 21,000, जर्मनी में 41,000 उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या घटी है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 1.7 प्रतिशत बढ़ी है तो लेटिन अमेरिका में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 8.5 प्रतिशत घटी है। साथ ही, मध्य पूर्व में भी उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या में 2.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

क्या भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती संख्या एवं इनकी बढ़ती सम्पत्ति से भारत में कहीं आर्थिक असमानता के गहराने का संकट तो खड़ा नहीं हो रहा है। हालांकि भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती सम्पत्ति, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का प्रतीक भी है। परंतु, यदि इस बढ़ी हुई सम्पत्ति का लाभ समाज के समस्त नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है तो यह सोचनीय प्रशन्न अवश्य है।

इसी संदर्भ में हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अतुलनीय रूप से कमी दर्ज की गई है। यह भारत के लिए निश्चित ही बहुत अच्छी खबर हो सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 34.44 करोड़ नागरिकों से घटकर 7.52 करोड़ नागरिक रह गई है। भारत में लगभग 27 करोड़ नागरिकों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर ले आया जा सका है। विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 27.1 प्रतिशत नागरिक अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने को मजबूर था परंतु वर्ष 2022-23 आते आते यह संख्या घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि, इस बीच भारत की जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। यह भारत में तेज गति से विकसित किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो सका है। इस संदर्भ में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के लाभ को देश की अधिकतम जनसंख्या तक पहुंचाने के कारण भारत में बहुआयामी गरीबी को कम करने में अपार सफलता हासिल की जा सकी है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) वर्ष 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 15.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। आगे आने वर्षों में भी यदि इसी प्रकार के आर्थिक विकास दर भारत में लागू रहती है तो बहुत सम्भव है कि कुछ ही वर्षों के उपरांत संभवत: भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाला एक भी नागरिक शेष नहीं रहेगा।

विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में लगभग एक जैसी सफलता मिली है। इसी का परिणाम है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर आज 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह से शहरी क्षेत्रों में भी अत्यधिक गरीबी दर जो 10.7 फीसदी के करीब थी, वह घटकर सिर्फ 1.1 पर आ गई है। इसी तरह का एक व्यापक अंतर ग्रामीण-शहरी जीवन के आर्थिक व्यवहार में भी दूर हुआ है, यह अंतर 7.7 फीसदी से घटकर सिर्फ 1.7 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। विशेष रूप से महिलाओं के बीच रोजगार के अवसरों में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसरों में वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शहरी क्षेत्रों के बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत तक नीचे आ गई है, जो वर्ष 2017-18 के बाद से सबसे कम है।

भारत में गरीबी दूर करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया है। इस सम्बंध में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गईं हैं। इन महत्वपूर्ण एवं विशेष योजनाओं में शामिल हैं - प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आयुषमान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, जैसी अनेक योजनाओं ने देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों को बहुत अधिक लाभ पहुंचाया है, जिससे इन्हें गरीबी रेखा के ऊपर लाया जा सका है। इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषद्धि केंद्र, विभिन्न फसल की एमएसपी पर खरीदी एवं इसके माध्यम से किसानों को आय की गारंटी देना, मखाना बोर्ड का गठन, जनजातियों का सशक्तिकरण - ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किसानों को किफायती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराना, भारत को पंख (उड़ान 2 की उड़ान और तेज हुई), विमानन के क्षेत्र में नए युग का प्रारम्भ, आदि क्षेत्रों में लागू की गई उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जो अतुलनीय कार्य किए गए हैं, उससे देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने में सफलता हासिल की जा सकी है।

उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं को लागू करने में केंद्र सरकार ने कभी भी वित्त की कमी नहीं आने दी क्योंकि करों की वसूली में ईमानदारी एवं वित्तीय अनुशासन के चलते जीएसटी, आय कर एवं कारपोरेट करों में उच्च स्तरीय वृद्धि दर्ज हुई है। न केवल उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं को लागू करने के लिए पर्याप्त वित्त की उपलब्धता बनी रही है बल्कि पूंजीगत खर्चों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकी है। साथ ही, बजट में वित्तीय घाटे को भी लगातार कम करने में सफलता हासिल हुई है। और तो और, केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों की कार्यप्रणाली में इस प्रकार से सुधार किया गया है कि जो उपक्रम पिछले कुछ वर्षों पूर्व तक घाटे में चल रहे थे एवं केंद्र सरकार को इन उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी होती थी, आज ये उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत साबित हो रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में तो केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। इन सभी कारणों से केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा आम नागरिकों के भले के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं को चालू रखने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ा है एवं जिसके चलते गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करने में अपार सफलता मिली है।

इंटरनेट युग में मानव साम्यता, उसका तकनीकी कौशल और मनोविज्ञान

अजय दीक्षित

गूगल हेड क्वाटर में कैंपस के लोन की बढ़ी हुई घास काटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि बकरियों को लोन में छोड़ देते हैं ताकि लोन की घास एक सीमा से अधिक नहीं बढ़ सके। ऐसा इस लिए किया जाता है क्योंकि घास काटने की मशीनों से कंपन होता है और उससे कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों में चिड़चिड़ापन महसूस होता है जो उनकी कार्य क्षमता ब दक्षता को प्रभावित करता है।

मेरे एक मित्र कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स में रहते और गूगल में सॉफ्ट वेयर इंजीनियर हैं, उन्होंने यह बकाया सुनाया कि बड़ी संस्थान अपने कर्मचारियों के मनोविज्ञान को पढ़ने और संतुलित करने के लिए क्या क्या नहीं करते हैं। मुझे यह सुनकर अचरज नहीं हुआ क्योंकि यह बात सही है कि संस्थानों में बेहतर व्यवस्था के लिए मनोविज्ञान के चिकित्सक रखे जाते हैं जो समय समय पर बिना परीक्षण किए नए नए तकनीकी कौशल के लिए प्रबंधन को सुझाव देते हैं। यह भी एक मनोविज्ञान है ये मनो एक्सपर्ट कर्मचारियों, अधिकारियों के घरों का दौरा भी जब करते हैं तब उन्हें ऐसा लगता है कि उक्त कर्मचारी या अधिकारी की कार्य क्षमता ब दक्षता का उपयोग ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है।

ये विशेषज्ञ उनके घर जा कर उनकी पत्नी, बच्चों से बात करते हैं और यहां तक कि पर्दा के रंग, सोफे का रंग, रसोई की स्थिति को भी कंपनी की ओर से बदल बाते है लेकिन मामला कर्मचारियों, अधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना। सेनफ्रांसिस्को में अमेजॉन नामक बहुद्देशीय,कंपनी का मुख्यालय है उसने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों की कोई ड्रेस नहीं बनाई है न ही प्रबंधन प्रतिदिन इनसे रूबरू होता है और बस क्या कार्य करना यह तय होता है और उसे बड़े बारीकी से जांचा जाता है और तब उसकी क्षमता,का कार्य कार्य जाता है।इन कर्मचारियों अधिकारियों को एक से पांच करोड़ रुपए के पैकेज पर काम दिया गया है।

यूरोपीय देशों में जर्मनी फ्रांस, इटली, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, में ऐसा नियमित रूप से होता है। कर्मचारियों अधिकारियों के छुट्टी के दिन तय है और उस दिन उन्होंने किया किया इसका भी परीक्षण किया जाता है।अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, फ्रांस इटली

बेल्जियम में क्रायोजेनिक इंजन, बोइंग, लड़ाकू विमानों, रॉकेट, नए नए तकनीकी संचार,बनाए जाते हैं। और इन उत्पादों को बनाने के उन्नत किस्म का माहौल बनाया जाता है। वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बनाने वाली कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड का मुख्यालय मिलान इटली में है और शहर से 50 किलो मीटर दूर है लेकिन कर्मचारियों, अधिकारियों को सुविधाएं पांच सितारा है।

भारत में कुछ इस प्रकार का माहौल तो नहीं है लेकिन इसरो, आईआईटी, एम्स ने इस दिशा में कुछ कार्य किया है ऐसा पूर्व राष्ट्रपति स्व अब्दुल कलाम ने लिखा भी है कि इसरो के वैज्ञानिकों को सरोद सुबह और वायलिन रात्रि को सोने से पहले बजा कर मेडिटेशन लेने का अनुरोध किया था ताकि प्रयोगशाला ध्यान विचलित न हो हताशा न आए क्योंकि मिसाइल और उपग्रह ऐसे क्षेत्र हैं जहां सफलता सौ बार असफल होने के बाद भी मिल जाय तो आप प्रवीण्य हो।

लेकिन बढ़ती जनसंख्या दबाव के चलते भारत को अभी दिल्ली दूर ही दिख रही है। मनोविज्ञान कैसा है यह कार्यकुशलता पर प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक क्षेत्र में भी ऐसे नेता जो कम बोलते हैं,सटीक बोलते हैं, जनता से आंखें मिला कर बात करते हैं अधिक सफल होते हैं। एस जयशंकर, राजनाथ सिंह, अश्वनी वैष्णव, पियूष गोयल, शिवराज सिंह, और सबसे बड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सफल नेता हैं। इस प्रकार की प्रशिक्षण रैली या लोको पायलट, पायलट, फाइटर जेट पायलट की भी होनी चाहिए। देश के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर को भी चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होना चाहिए। आजकल इंटरनेट युग में मोबाइल भी एक जरूरत हो कर परेशानी का कारण भी बन गयी है।अब मिनिट तो मिनिट जानकारी चाहिए। इससे एक सीमा के बाद कोफ्त हो जाती है।

घरों में सारगर्भित पेंटिंग लगाना,गमले उगाना, बेल चढ़ाना, फूल उगाना, हरसिंगार, रातरानी, मोगरा की खुशबू से घर को सराबोर करने से सकूं मिलता है। सबसे आश्चर्य यह कि दोपहर को एक घंटे की नीद से कार्य करने की अवधि बढ़ जाती है यह भी एक मनोविज्ञान है। मनुष्य काम (सेक्स) बिना अधूरा है और उसे यह खुराक आवश्यक है। ऐसा नहीं करने पर कुंठा का जन्म होता है। अभी अफगानिस्तान में अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, की सेनाएं युद्ध में थी लेकिन सैनिकों के मनोरंज के लिए अमेरिका से सेक्स वर्कर्स को भेजा गया था और यह सत्य घटना है।

दीदी ममता की राह में कांटे

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। भारतीय जनता पार्टी ने युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता से सीधे ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर जबरदस्त अभियान की रूपरेखा खींच दी है। इससे संकेत मिलता है कि चुनाव तक आरोपों की धार पिछले चुनाव से भी तीखी हो जाने वाली है। ममता पर राज्य को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों और हिन्दुओं पर अत्याचार और दुराचार का केंद्र बना देने का आरोप लगाकर गृह मंत्री अमित शाह ने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया।

उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, हिंसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनके अनुसार दशकों तक हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया।

शाह ने कार्यकर्ताओं को जोश दिलाते हुए याद दिलाया कि यह वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की भूमि है। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने बंग भूमि को अपराध, बम धमाकों और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बनाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। बंगाल में हिंसा आज भी जारी है। दीदी आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध कर महिलाओं की भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और राज्य की महिलाओं से चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सिंदूर की कीमत समझा देने की अपील की। गृहमंत्री का संबोधन पूरी तरह चुनावी था। छन्होंने हर उस बिंदु को छुआ को मतदाता को रास आता है। उनके संबोधन से चुनावी लड़ाई के तीखेपन का संकेत मिलता है। हालांकि वह जानते हैं मुकाबला कितना कड़ा है। राज्य में पिछले चुनावों का भाजपा का अनुभव सुखद नहीं रहा है। 2011 से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठी ममता भाजपा के आरोपों की काट करने के लिए क्या रणनीति अपनाएंगी यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस बार उनकी भी राह में कांटे जरूर बिछे हैं।

बच्चों को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है।

अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे।

दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं। कई बार वह ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसके बाद पछताने के अलावा कोई और रास्ता परिवार के पास भी नहीं होता, इसलिए माता-पिता को बच्चों के साथ पेश आने में बहुत ही सतर्कता बरतनी चाहिए। किसी भी बात पर उनको समझाएं, न कि सबके सामने उन्हें डांटें। अगर डांटना बहुत जरूरी है, तो अकेले में ही डांटें। सबके सामने ऐसा करने से बचें, ताकि उनको बेइज्जती महसूस न हो।

चाइल्ड एक्सपर्ट का कहना है कि आज के दौर में बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उन्हें अच्छे या बुरे की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार और अपनेपन के साथ। हर बात पर उन्हें डांटना या पीटना ठीक नहीं है। कुछ एक्सपर्ट कहते हैं कि माता-पिता बच्चों को नहीं डांटें तो वे मनमानी करते हैं और अगर डांटें तो बच्चे दिल पर ले लेते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि मां-बाप बच्चों को कैसे समझाएं, क्योंकि बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। छोटी-छोटी बातों का उनके मन पर गहरा असर होता है। अगर सबके सामने उनको डांट दिया जाए, तो वे इसे अपनी बेइज्जती समझ लेते हैं। आहत होकर कई बार वह गलत कदम उठा लेते हैं।

असल में परिवार को अब इस बात को समझना होगा कि बदलते माहौल में बच्चों की परवरिश यदि उसके अनुसार न हो, तो उसके परिणाम गंभीर होते हैं। आमतौर पर कुछ बच्चे काफी सहज और सरल होते हैं, तो कुछ बेहद ही संवेदनशील। ऐसे में उनके स्वभाव के अनुसार ही उनकी देखभाल करने की जरूरत होती है। बच्चों की भावनाओं का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। उनके कोमल मन को समझना भी बहुत जरूरी है। हर बात वह गलत हों, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार बच्चे सच बोल रहे होते हैं, तो भी उन्हें गलत मान लिया जाता है। परिवार को सही और गलत के निर्णय पर पहुंचने से पहले कई बार सोचना होगा। हर बात पर बाल मन का इस तरह तिरस्कार करना सही नहीं कहा जा सकता। हर बच्चे को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बेरोजगारों को व्यवसाय शुरू करने दिया जाएगा ऋण, आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। जिले के बेरोजगारों को खुद का व्यवसाय शुरू करने जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. दुर्ग द्वारा आवेदन आमंत्रित किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग अंतर्गत बैंक प्रवर्तित अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत छोटे-छोटे व्यवसायियों को अंत्योदय स्वरोजगार योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सकेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति दुर्ग से मिली जानकारी के अनुसार आवेदक किसी भी प्रकार का वैध व्यवसाय जैसे खोमचे, पान दुकान, मोटर सायकिल रिपेयरिंग, टेलरिंग, सिलाई मशीन, मोची दुकान, गुपचुप ठेला, सब्जी धंधा आदि छोटे-छोटे व्यवसाय संचालित करने हेतु अंत्योदय एवं आदिवासी योजनान्तर्गत ऋण हेतु आवेदन कर सकते है। आवेदन की पात्रता हेतु आवेदक की उम्र 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच हो, जाति प्रमाण पत्र धारक हो, आय प्रमाण पत्र ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र हेतु 1 लाख 50 हजार वार्षिक आय से अधिक न हो, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, पेन कार्ड की छायाप्रति, उद्यमी पंजीयन प्रमाण पत्र एवं किसी बैंक में कोई कर्ज बकाया न हो का 10 रूपए के स्टाम्प पेपर में नोड्यूज होना आवश्यक है।

आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पद पर 25 जून तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01, जिला-दुर्ग में आंगनबाड़ी सहायिका के 01 रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। इसके अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्र. 22, आंगनबाड़ी केन्द्र कुरूद-01 में सहायिका हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। आवेदन संबंधित ग्राम/वार्ड की आवेदिकाओं द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में दिनांक 25 जून 2025 तक आवेदिका द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई-01 (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग भिलाई) में कार्यालयीन समय 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किये जाएंगे। सीधे कार्यालय में जमा करने की दशा में आवेदन बंद लिफाफे में देना है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 के परियोजना अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार सहायिका पद हेतु 8वीं बोर्ड उत्तीर्ण न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य है। कार्यकर्ता/सहायिका के पद हेतु आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए।

वैराग्य की गाथा भरथरी को देख भावविभोर हुए दर्शक, तालियों से गूंजता रहा सभागार

लोक गाथा भरथरी का हुआ नाट्य मंचन, कला मंदिर में रंग सरोवर की दो दिन हुई प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग के सहयोग से संस्था 'रंगसरोवर' की प्रस्तुति लोकनाट्य उत्सव में वैराग्य की गाथा भरथरी का मंचन कला मंदिर सिविक सेंटर में गुरुवार 12 जून और शुक्रवार 13 जून को हुआ। प्रख्यात लोकगायिका स्व. सुरूज बाई खांडे व अन्य कलाकारों से अब तक भरथरी गायन सुनते आए कलाप्रेमी दर्शकों के लिए यह पहला मौका था, जब इस लोकगाथा को मंच पर देख रहे थे। भूपेंद्र साहू के निर्देशन में रंग सरोवर के रंगकर्मियों ने अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीता। मूल रूप से वैराग्य की इस गाथा ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। कला मंदिर सभागार तालियों से गूंजता रहा।

120 मिनट की सधी हुई इस प्रस्तुति में 50 से अधिक सदस्य टीम में शामिल थे। जिसमें कथानक के साथ 15 से अधिक गीतों की प्रस्तुति भी हुई। पूरी टीम की तीन महीने की रिहर्सल का नतीजा मंच पर नजर आ रहा था। मुख्य अतिथि गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद व अन्य अतिथियों ने भरथरी गायन की पुरोधा स्व. सुरूजबाई खांडे के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत शुभारंभ किया।

विधायक निषाद ने इस दौरान भरथरी जैसी लोकगाथा के मंचन के लिए संस्था रंग सरोवर की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे अभिनव प्रयास होते रहना चाहिए।

उपस्थित रहे रंग कर्मी, कला प्रेमी और साहित्यकार: इस अवसर पर भिलाई महापौर नीरज पाल, साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा, लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय, दुर्ग के पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व साडा अध्यक्ष लक्ष्मण चंद्राकर, शैलजा चंद्राकर, विनायक अग्रवाल, रजनीश झांझी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन सिंह राठौर लोक कलाकार परमेश्वर नाग,शंकर साहू, पुष्पा साहू, महेश वर्मा, नकुल महिलवार, हास्य कलाकार पप्पू चन्द्राकर, रंग कर्मी तेज राम साहू, संतोष बोचकु हास्य कलाकार, लोक गायक तुषान्त बारले, दूज राम साहू, कचरा बोदरा उर्वशी साहू, उपासना वैष्णव,रामेश्वर वैष्णव छेरछेरा कलाकार,कोरियोग्राफर विलास रावत, अशोक गौर , चंद्रप्रकाश, प्रशांत क्षीरसागर और बसंत ढीमर सहित बड़ी तादाद में रंग कर्मी, कला प्रेमी और साहित्यकार उपस्थित थे।

मंचन में इनकी रही भूमिका

लोक गाथा भरथरी के मंचन में प्रमुख भूमिकाओं में राजा भरथरी-मिथुन खोटे, भरथरी की माँ रानी फुलवा-भावना वाघमारे, भगवान, गोरखनाथ-चन्द्रहास बघेल, भरथरी की पत्नी रानी सामदेई-योगिता मढ़रिया, भरथरी की साली रानी रूपदेई-जागेश्वरी मेश्राम, कैना जागेश्वरी मेश्राम,चंपा चेरी-निधि साहू, रोशनी वर्मा, काला मिरगा, सेवक-दीपक कुमार ध्रुव,मिरगिन-रोशनी वर्मा, निधि, योगिता, सिन्धु, जागेश्वरी,कथावाचक (बबा)-अमर सिंह लहरे,नाती-उत्तम साहू, गायन स्वर में राजेन्द्र साहू, गंगा प्रसाद साहू, योगिता मढ़रिया, सिन्धु सोन,वाद्य वृन्द में भारत बघेल, मोहन साहू, मोनू पाटिल, खेम यादव और गिरवर साहू शामिल हैं। इनके अलावा मंच सज्जा-उत्तम साहू, दीपक ध्रुव, चन्द्रहास बघेल,वेशभूषा एवं हस्त सामग्री-भावना वाघमारे, दीपक ध्रुव,ध्वनि प्रभाव-चेतन साहू,प्रकाश प्रभाव-भूपेन्द्र साहू, लव कुमार साहू, बड़का, प्रस्तुति व्यवस्थापक-मलयज साहू, लव कुमार साहू,प्र चार प्रसार-मलयज साहू, अजय मेश्राम और उद्घोषक के तौर पर आरजे नमित साहू का योगदान रहा।

गोरखनाथ के आशीर्वाद से जन्मे बेटे के भाग्य में वैराग्य

कथानक के अनुसार बाबा गोरखनाथ के वरदान से रानी फुलवा बेटे भरथरी को जन्म देती है। बेटे के भाग्य में वैराग्य लिखा होता है। एक दिन मां से जिद करके राजा भरथरी काले हिरण को मारने जंगल जाता है। जब वह काले हिरण को मारकर महल की ओर जा रहा होता है तभी उसकी मुलाकात गुरु गोरखनाथ से होती है। गलती का एहसास होने पर राजा गुरु से क्षमा मांगता है। तब वे आदेश देते हैं कि तुम्हे 12 साल जंगल में रहना होगा। राजा वापस लौटकर मां से विदा लेकर राजा गोरखनाथ के पास पहुंचता है। इसके बाद गुरु गोरखनाथ राजा भरथरी को गृहस्थ जीवन जीने का आदेश देता है। थरथरी की शादी रानी सामदेई से होती है। शादी के दूसरे दिन सोने का पलंग टूट जाता है। तब रानी बताती है कि पलंग टूटने का जवाब रानी रूपदेई बताएंगी। भेद पता करने राजा वहां जाता है। अगले जन्म में भेद खोलने का वादा कर रानी रूपदेई प्राण त्याग देती है। सुआ, कौआ, बछड़ा, बिल्ली के बाद सातवें जन्म में रूपदेई रानी कैना के रूप में जन्म लेती है। वह राजा भरथरी को बताती है कि सामदेई पिछले जन्म में तुम्हारी मां थी। यह सुन राजा गुरु गोरखनाथ के पास चला जाता है। गुरु अपने शिष्य को आदेश देता है कि वह अपनी पत्नी को मां संबोधित करते हुए भिक्षा मांगे। अपना कर्तव्य निभाने राजा रानी से भिक्षा मांगता है। रोते हुए रानी अपने सभी जेवर भरथरी को देती है।

भरथरी का पहली बार नाट्य मंचन

आलेख, गीत, संगीत एवं निर्देशन की जवाबदारी संभालने वाले वरिष्ठ रंगकर्मी भूपेन्द्र साहू ने बताया कि लोक गाथा भरथरी देश के अन्य राज्यों में भी अपने पृथक स्वरूपों के साथ विद्यमान है। हमारी भरथरी में प्रचलित व मान्य तथ्यों के अध्ययन पश्चात, हमारा अपना दृष्टिकोण है। समन्वयक पद्मश्री डॉ. आर.एस.बारले ने बताया कि भरथरी गायन शैली को पहली बार मंच पर नाटक शैली में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

जेएलएन चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में विश्व रक्तदाता दिवस केंद्रित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अंतर्गत संचालित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (जेएलएनएच एंड आरसी) के ब्लड सेंटर द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस 2025 के अवसर पर 13 और 14 जून 2025 को स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने एवं सभी के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष की वैश्विक थीम रक्तददन करें, आशा देंरू साथ मिलकर जीवन बचाएं को केंद्र में रखकर चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत 13 जून 2025 को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 34 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

शिविर का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक बी.के. गिरि ने जेएलएनएच एंड आरसी के ब्लड सेंटर में किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक डॉ. एम. रविंद्रनाथ उपस्थित थे। उनके साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. उदय कुमार एवं डॉ. सौरव मुखर्जी भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के पश्चात गिरि ने स्वयं स्वैच्छिक रक्तदान कर इस अभियान में भागीदारी निभाई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकिसालय स्टाफ एवं बीएसपी सामूहिक को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में अधिकतम सहभागिता और पंजीकरण सुनिश्चित कर रक्तदान के सामाजिक महत्व को उजागर किया गया।

अपने संबोधन में बी.के. गिरि ने ब्लड सेंटर एवं पैथोलॉजी विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो देखने में छोटा लगता है, परंतु यह मानवता के लिए अत्यंत मूल्यवान योगदान सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में 'दान' को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और 'रक्तदान' वास्तव में 'महादान' है, ऐसा दान जो जीवन देता है। उन्होंने हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान हादसे का उल्लेख करते हुए यह स्मरण कराया कि ऐसे आपातकालीन अवसरों पर रक्त की उपलब्धता कितनी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि जीवन अत्यंत नाजुक है और रक्तदान जैसे कार्य अनेक जीवनों को बचाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

इस अवसर पर पैथोलॉजी एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञों की भी उपस्थिति रही, जिनमें सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं दृ पैथोलॉजी) डॉ. मनीषा कांगो, सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं ब्लड सेंटर की प्रभारी डॉ. निली एस. कुजूर, कंसल्टेंट (पैथोलॉजी) डॉ. राजू भैसारे, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (पैथोलॉजी) डॉ. गुरमीत सिंह, वरिष्ठ कंसल्टेंट (पैथोलॉजी) डॉ. प्रिया साहू, कंसल्टेंट (पैथोलॉजी) डॉ. प्रतीक शिवप्पा एवं कंसल्टेंट (ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन) डॉ. दीपक दशमोहरा पात्र प्रमुख रूप से शामिल थे।

विश्व रक्तदाता दिवस प्रतिवर्ष 14 जून को मनाया जाता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू एच ओ) की एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और निःस्वार्थ रूप से रक्तदान करने वाले स्वैच्छिक रक्तदाताओं का आभार प्रकट करना है। यह दिवस इस सच्चाई की याद दिलाता है कि रक्तदान एक निःस्वार्थ कर्म है जो हर वर्ष लाखों लोगों का जीवन बचाता है, चिकित्सा एवं शल्य प्रक्रियाओं को संभव बनाता है तथा स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त करता है। प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम के माध्यम से एकजुटता, आशा और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया जाता है।

भिलाई इस्पात संयंत्र की बड़ी कार्रवाईः सेक्टर 5 और 6 में 22 अवैध कब्जे हटाए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रवर्तन विभाग ने 13 जून 2025 को सेक्टर-5 और सेक्टर-6 में अवैध कब्जों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर कुल 22 आवासों को खाली कराया। यह कार्रवाई संयंत्र परिसर में बढ़ रही अनधिकृत गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करने और वैध आवंटियों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई।

कार्रवाई के दौरान सेक्टर-5 के सड़क क्रमांक 3 स्थित 12 आवास, क्रमांक 103, 104, 120, 205, 206, 701, 704, 716, 718, 719, 720 और 801, से अवैध रूप से रह रहे व्यक्तियों को बेदखल किया गया। इसी क्रम में सेक्टर-6 की सड़क संख्या 42, ब्लॉक-04 के नौ आवासों, क्रमांक जे, के, एल, एम, एन, ओ, पी, क्यू और आर को भी खाली करवाया गया। इन आवासों से दरवाजे और खिड़कियां हटाकर उन्हें मेंटेनेंस कार्यालय को सुपुर्द किया गया ताकि भविष्य में कोई दोबारा इन पर अवैध कब्जा न कर सके। इसके अतिरिक्त, सेक्टर-6 में स्थित एक और आवास (1एफसड़क-23/सेक्टर-06) को भी अवैध कब्जे से मुक्त कराकर उसके वैध आवंटी को सौंपा गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र का यह स्पष्ट नियम है कि किसी भी बीएसपी आवास को किराए पर देना प्रतिबंधित है, और कोई भी आवंटी अपने नाम आवंटित आवास को किराए पर नहीं दे सकता। संयंत्र प्रबंधन का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति इस तरह की गतिविधि में संलिप्त पाया जाता है, तो संबंधित जानकारी नगर सेवाएं विभाग तथा स्थानीय पुलिस थाने को लिखित रूप में देना अनिवार्य है। प्रवर्तन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बीएसपी अवैध कब्जों के खिलाफसख्त रुख अपनाए हुए है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौते की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

महापौर अलका बाघमार ने राजस्व विभाग की ली क्लास,कहा-

निजी हॉस्पिटलों, कॉलेज, स्कूलों में टैक्स को लेकर करे कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर अलका बाघमार द्वारा राजस्व विभाग प्रभारी चंद्रशेखर चन्द्राकर के मौजूदगी में वार्डवार वसूली को लेकर राजस्व विभाग की क्लास ली।कहा कि, वसूली में गति लाने टीम बनाकर बड़े बकायादारों के पास डोर टू डोर संपर्क करे। व्यवसायिक एवं बड़ी संस्थानों में जाकर वसूली करें। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया है।

सोमवार को डाटा सेंटर सभागार में आयोजित राजस्व वसूली से संबंधित समीक्षा बैठक में महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि अधिकारी 16 जून से 16 जुलाई से सभी रुकावटों को दूर करते हुए लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें। निगम राजस्व वसूलने के लिए लगातार निगरानी करें इस स्थिति में राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। टैक्स लेने निकले तो रजिस्टर साथ लेकर चलें,करदाताओं के नाम और मोबाइल नंबर भी लिखें,बिना लाइसेंस के दुकान संचालित करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करें

इस दौरान राजस्व अधिकारी आरके बोरकर और बाजार अधिकारी शुभम गोइर ने बताया की राजस्व वसूली 50 करोड़ का लक्ष्य दिया गया है। युद्व स्तर पर अभियान चलाकर शत प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के दुकान संचालित करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करें।महापौर ने टैक्स वाली के समय किसी भी की न सुने बड़े बकायेदारों से कड़ाई कर करों की वसूली के निर्देश दिए। प्रत्येक सहायक राजस्व निरीक्षकों की डिमांड के विरूद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्ति करदाता के संबंध में मांग पंजी से मिलान सहित रजिस्टर लेकर चले और मांग पंजी मिलान करें।

प्रत्येक वार्ड सहायक राजस्व निरीक्षक घर-घर जाकर वसूली करे,अगर कोई करदाता टैक्स वाली देने में आना कानी करते है तो नोटिस जारी कर नियमनुसार ताला बंदी और नल कनेक्शन की कार्रवाही करेंगे। सख्त निर्देश वसूली में कोताही बर्दास्त नही की जावेगी। समीक्षा बैठक मे नामांतरण के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे और भवन पूर्णता के आधार पर संपत्तिकर अधिरोपित करें। जिससे करों में वृद्धि हो सके।उन्होंने कहा कि जल विभाग से समांजस्य कर नये घरों से जलकर की वसूली करे। उन्होंने कहा इसी प्रकार भवन शाखा से नये मकानों की जानकारी लेकर सम्पत्तिकर, जलकर व समेकितकर की वसूली करे। जिससे शतप्रतिशत वसूली हो सके।उन्होंने ये भी कहा कि बड़े बकायादारों से कडाई से वसूलना सुनिश्चित करे तथा प्रतिदिन की वसूली की जानकारी लेवे। उन्होंने कहा कि हर एक वॉड मे एआरआई रोजना 20 घरों का टारगेट दिए है। महापौर अलका बाघमार ने निजी हॉस्पिटलों, कॉलेज, स्कूलों में फायर सीप की जांच के साथ साथ टैक्स वसूली की कार्रवाही करें, साथ ही फायर सीप इन जगहों पर नही पाए पर जुर्माना की कार्रवाही करने की बात कही।उन्होंने यूजर चार्ज में बढ़ोतरी करने की बात कही।उन्होंने कहा कि यूजर चार्ज में कोई समझौता नही होगी।राजस्व बैठक के दौरान राजस्व अधिकारी राजकमल बोरकर,निशांत यादव,बाजार अधिकारी शुभम गोइर,निशांत यादव थानसिंह यादव,विनोद उपाध्यय,लव कुश,शिवा, लक्ष्य गोइर,पवन नायक, सत्येन्द्र, निखिल, धनवर्धन,नीरज मौजूद रहें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मॉडल ब्लड बैंक सेंटर के सहयोग से एमएसएमई विकास कार्यालय के कर्मचारियों ने किया रक्तदान

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक दिन पूर्व ही एमएसएमई विकास कार्यालय (भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय) रायपुर द्वारा मॉडल ब्लड बैंक सेंटर अम्बेडकर अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में एमएसएमई-विकास कार्यालय, रायपुर के योगेश कुमार सहायक निदेशक ग्रेड-1, उमेश प्रसाद सहायक निदेशक, सौरभ चौरसिया यंग प्रोफेशनल, मिस आरती राठौर स्टेनोग्राफर, मनोज कुमार हालदार एमटीएस, निराकार विभार एमटीएस द्वारा द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर पर मॉडल ब्लड बैंक सेंटर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

22 जून से 26 तक रद्द रहेगी अभनपुर-रायपुर पैसेंजर समेत 2 ट्रेन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आरव्हीएच - आरएसडी सेक्शन में प्रीएनआई/एनआई, दोहरीकरण कार्य के कारण पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन दिनांक 21 से 26 जून तक प्रभावित रहेगा। इस दौरान रद्द रहने वाली ट्रेनें यह है। गाड़ी संख्या 68761 अभनपुर रायपुर पैसेंजर 22 से 26 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 68762 रायपुर अभनपुर पैसेंजर 22 से 26 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 58217 टिटलागढ़ रायपुर पैसेंजर 21 से 25 जून तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 58218 रायपुर टिटलागढ़ पैसेंजर 22 से 26 जून तक रद्द रहेगी। रीशेड्यूलिंग की जाने वाली गाड़ी: गाड़ी संख्या 58207 रायपुर-जुनारगढ़ रोड पैसेंजर 22 जून एवं 23 जून को रायपुर से 2 घंटे रीशेड्यूल की जाएगी।

सहायक शिक्षक के पद पर समायोजन के लिए 17 से शुरू होगी काउंसिलिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 30 अप्रैल 2025 को जारी आदेश क्रमांक एफ -2-19/2024/20-तीन के तहत सेवा से समाप्त किए गए बी.एड. अर्हताधारी सहायक शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के तहत समायोजन की प्रक्रिया ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से की जाएगी, जो 17 जून से 26 जून 2025 तक प्रतिदिन शासकीय शिक्षा महाविद्यालय परिसर, शंकर नगर, रायपुर में आयोजित की जाएगी। कुल 2621 अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में सम्मिलित किया गया है। इन अभ्यर्थियों के समायोजन हेतु राज्य के 29 जिलों के स्कूलों में 2621 रिक्त पद निर्धारित किए गए हैं। काउंसिलिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली में 150 एवं द्वितीय पाली में 150 अर्थात प्रतिदिन कुल 300 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://eduportal.cg.nic.in/ पर उपलब्ध है। उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों सहित काउंसिलिंग स्थल पर उपस्थित रहें।

सीबीजी प्लांट के लिए 100 करोड़ का निवेश, रायपुर में त्रिपक्षीय समझौता

नगर पालिक निगम रायपुर, सीबीडीए और बीपीसीएल के बीच हुआ एएमयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को शुद्ध हरित राज्य की दिशा में ले जाने के उद्देश्य से आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। राज्य सरकार की सतत योजना के अंतर्गत कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीबीडीए सुमित सरकार, हेड बायोफ्यूल्स बीपीसीएल मुम्बई अनिल कुमार पी., नगर निगम आयुक्त विश्वदीप की उपस्थिति में नगर पालिक निगम रायपुर, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के अंतर्गत रायपुर के रावाभाठा क्षेत्र में प्रतिदिन 100 से 150 टन मिश्रित ठोस अपशिष्ट एमएसडब्ल्यू से कंप्रेस्ड बायोगैस सीबीजी उत्पादन हेतु संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

इस परियोजना की आधारशिला पहले ही आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति में हुए एमओयू के माध्यम से रखी जा चुकी थी। अब इसके ठोस क्रियान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए यह समझौता किया गया है। बीपीसीएल इस संयंत्र के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। संयंत्र के निर्माण और संचालन के दौरान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 30 हजार मानव दिवस का स्थायी रोजगार उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण चरण में भी स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इस संयंत्र में उत्पादित सीबीजी गैस का उपयोग नगर बसों और अन्य वाणिज्यिक माध्यमों में किया जाएगा, जिससे राज्य को हर वर्ष लगभग 1 करोड़ रुपये का जीएसटी प्राप्त होगा। संयंत्र से सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त जैविक खाद से राज्य में जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण अधिक स्वच्छ होगा। सीबीजी के उपयोग से छत्तीसगढ़ को नेट ज़ीरो एमिशन की दिशा में भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बीपीसीएल और सीबीडीए के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नवा रायपुर में महिलाएं दौड़ा रही ई-रिक्शा

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ रोजगार के अवसर भी तैयार कर रही है। उसी दिशा में एक कदम नवा रायपुर में भी महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपकर उनकी तरक्की की राहें आसान कर दी है।

नवा रायपुर के विकास में अब महिलाएं भी सहभागिता निभाएगी। यहां रेलवे स्टेशन खुलने के बाद से विकास के द्वार भी खुल गए है। व्यापारिक गतिविधियां भी तेजी के साथ संचालित होगी। इसके लिए महिलाओं को पिंक ई-रिक्शा सौंपा गया है। नवा रायपुर में अब एयरपोर्ट से सीबीडी रेलवे स्टेशन या जंगल सफारी, मंत्रालय, पुरखौती मुक्तांगन, शासकीय विभागों के दफ्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम जाना बेहद आसान हो गया है। एनआरडीए ने ग्रामीण महिलाओं के हाथों में पिंक ई-रिक्शा की चाबी सौंपी है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के साथ आर्थिक तरक्की भी आसान हो जाएगी।

नवा रायपुर में शानदार सड़कें निर्माण की गई हैं, लेकिन छोटी दूरियों और प्रमुख स्थानों तक आवाजाही में नागरिकों को पहले दिक्कतें होती थी। पहले बस के बाद आवाजाही के सुगम साधन नहीं थी, लेकिन अब सुगम साधन बन चुके है। पिंक ई-रिक्शा काफी मददगार साबित होगा।

बिहान छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अभनपुर और आरंग ब्लॉक के गांवों तूता, केंद्री, निमोरा, कुरु, चेरिया और बेंद्री की 40 महिलाओं को 40 इलेक्ट्रिक ऑटो मुफ्त में सौंपे गए हैं। यह पहल न केवल नया रायपुर में यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता भी देगी। इनका ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म रेपिडो से टाई-अप किया गया है, जिससे यात्री मोबाइल ऐप से ऑटो बुक कर सकते हैं। सेवा की दरें भी किफायती हैं और ऑटो पूरी तरह इलेक्ट्रिक हैं, जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी निभाई जा रही है। इस योजना का उद्घाटन 11 अप्रैल 2025 को राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया। उनके साथ वित्त एवं आवास मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित हुए। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण और स्मार्ट सिटी के समावेशी विकास की दिशा में एक अहम पहल बताया।

बेंद्री गांव की निवासी रेशमा साहू कहती है कि अब नया रायपुर में ऑटो चलाने और अपने घर की आर्थिक जिम्मेदारी संभाल रही हैं। पहले घर में कोई आमदनी नहीं थी, अब रोजाना सवारी मिल जाती है तथा प्रतिदिन 500 से 600 की कमाई कर रही हैं। हम खुद बुकिंग ले सकते हैं, शहर के अंदर कई जगह जाती हूं। गर्व होता है जब लोग कहते हैं कि दीदी आप अच्छा चला रही हैं। केंद्री की मीना वर्मा कहती है कि हमने सोचा नहीं था कि कभी गाड़ी चला पाएंगे। अब हम खुद अपनी गाड़ी चला रहे हैंए ऑनलाइन बुकिंग भी करते हैं। अब गांव की बेटियां भी प्रेरणा ले रही हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य के समन्वय से ही संवरेंगे बच्चों के भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच समन्वय स्थापित कर बच्चों और किशोरों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए महानदी भवन,नया रायपुर में एक महत्वपूर्ण अंतरविभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु), एनीमिया मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस, किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चल रही गतिविधियों की समीक्षा की गई और इन्हें शिक्षा विभाग के साथ एकीकृत करने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान सचिव स्वास्थ्य अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला, संबंधित स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल/ उप संचालक व शिक्षा विभाग के उप संचालक उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों ने स्कूलों को स्वास्थ्य जागरूकता, किशोर स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, तंबाकू निषेध और परामर्श जैसी सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में साझा प्रयासों पर बल दिया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है, जहां सही मार्गदर्शन और स्वास्थ्य सेवाएं उनके भविष्य को सशक्त बना सकती हैं। चिरायु दलों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाएं, आयरन-फोलिक एसिड की आपूर्ति और परामर्श सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी। साथ ही तंबाकू निषेध और मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों पर भी जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। बैठक के दौरान सभी संबंधित विभागों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान, समयबद्ध गतिविधियों का संचालन और स्कूल-आधारित हस्तक्षेपों की सतत निगरानी से इन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जाएगा। यह समन्वय राज्य स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित किया जाएगा।

विधायक राजेश मूणत ने नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम जोन 2 अंतर्गत दानवीर भामाशाह वार्ड में 3 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से बन रहे शाला भवन का प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण में नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़, जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, अपर आयुक्त विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

शाला भवन का कार्य बहुत सुव्यवस्थित एवं अच्छे रूप से किया जा रहा है इस पर पश्चिम विधायक ने प्रसन्नता व्यक्त की। पश्चिम विधायक ने शाला के भूतल प्रथम तल द्वितीय तल सभी का निरीक्षण किया। राजेश मूणत ने कहा कि शाला कक्ष में दरवाजे मजबूत लगाए जाएँ। निरीक्षण के दौरान उपस्थित शाला प्राचार्य से भी विधायक श्री मूणत ने चर्चा की तथा उनसे पूछा कि उन्हें और क्या सुविधा शाला परिसर में चाहिए? इस दौरान शाला प्राचार्य ने पश्चिम विधायक को बताया कि समग्र शिक्षा से 200 बेंच टेबल शाला को मिल रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रयोगशाला कार्य भी जल्दी कराने की मांग की। इस पर पश्चिम विधायक ने जोन 2 जोन कमिश्नर को निर्देशित किया। शाला के कार्यक्रमों के लिए भी जगह का प्लान करने के निर्देश पश्चिम विधायक ने दिए। विधायक राजेश मूणत ने कोटा राम दरबार के पीछे बन रहे नवीन शासकीय महाविद्यालय के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि इसका एक वर्क चार्ट बनाकर देवें, ताकि साप्ताहिक कार्य प्रगति की समीक्षा की जा सके। इस दौरान वार्ड पार्षद अमन सिंह ठाकुर ने स्थल पर और शासकीय भूमि होने की बात बताकर यहां पर सीमांकन कराने की मांग की।

महापौर ने बारिश पूर्व नालों की सफाई कार्य का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे एवं आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम जोन 8 क्षेत्र में खारून नदी पीहर नाला के बाजू में चिंगरी नाला क्षेत्र, नदी के किनारे जोन 6 वार्ड 63 में छुइया तालाब, शीतला मंदिर के पास टिकरापारा मोहल्ला, जोन 9 वार्ड 33 में केपिटल पैलेस के पीछे, अवंति विहार सेक्टर 1 कविता नगर नाला, जोन 9 कार्यालय एवं दलदल सिवनी स्थित इंदिरा स्मृति वन क्षेत्र का निरीक्षण एमआईसी सदस्य भोला राम साहू, खेम कुमार सेन, जोन अध्यक्ष गोपेश साहू, बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद महेन्द्र औसर, देवदत्त द्विवेदी, प्रमोद साहू, जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओ, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया एवं राजधानी शहर में बारिश पूर्व नालो की सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नरो को वार्ड पार्षदो एवं आमजनों से स्थल पर चर्चा कर दिये।

महापौर मीनल चौबे एवं आयुक्त विश्वदीप ने जोन 8 क्षेत्र में महादेव घाट खारून नदी के किनारे पीहर नाला, चिंगरी नाला क्षेत्र में बारिश पूर्व सफाई का निरीक्षण कर मानसून की पहली बारिश आने के पूर्व सुव्यवस्थित तरीके से सफाई करवाने नदी के किनारे अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरा हटाने, नाले में जाली लगाकर कचरे को रोकने का कार्य करने एवं एसटीपी का सुव्यवस्थित संचालन करने के संबंध में आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

महापौर एवं आयुक्त ने नगर निगम जोन 6 के वार्ड 63 के तहत टिकरापारा शीतला मंदिर छुइया तालाब नाला की सफाई व्यवस्था का बारिश पूर्व निरीक्षण किया। जोन 6 अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद सहित आमजनों से चर्चा की एवं सफाई को लेकर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। महापौर और आयुक्त ने गंदे पानी का सुगम निकास करने स्वीकृति अनुसार नई पुलिया का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश जोन कमिश्नर एवं कार्यपालन अभियंता को दिये।

महापौर मीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप ने जोन 3 क्षेत्र में वार्ड 33 के तहत अवंति विहार कालोनी सेक्टर 1 केपिटल पैलेस के पीछे के नाले की बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। नागरिको ने चर्चा के दौरान नाले में तेज बारिश में जलभराव की समस्या की जानकारी दी तो महापौर और आयुक्त ने जोन 3 कमिश्नर एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी को नाले की छोटी पोकलेन मशीन तत्काल लगाकर तले तक लद्दी निकालकर मानसून की बारिश आने के पूर्व मुहाना खोलकर व्यवस्थित सफाई करवाने के निर्देश दिये ताकि जल भराव की समस्या बारिश में ना आने पाये।

महापौर और आयुक्त ने जोन 9 कार्यालय पहुंचकर जोन अध्यक्ष एमआईसी सदस्य, पार्षद से बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था को लेकर चर्चा की एवं जोन कमिश्नर एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। महापौर एवं आयुक्त ने जोन 9 के क्षेत्र अंतर्गत दलदल सिवनी में इंदिरा स्मृति वन क्षेत्र का निरीक्षण पार्षदो और अधिकारियों सहित किया और नगर निगम रायपुर को इसका आधिपत्य मिलने के बाद अब इसका सुव्यवस्थित विकास व सौंदर्गीकरण करने योजना बनाकर इसे पीपीपी मोड के आधार पर विकसित करने चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये।

निगम महापौर मीनल चौबे ने कहा : नियमितिकरण में व्यापारियों को दोनों ओर प्रवेश द्वार खोलने अनुमति नहीं

महापौर ने कहा नियमितिकरण में व्यापारियों को दोनो ओर प्रवेश द्वार खोलने की अनुमति नहीं दी गई है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडरी कपड़ा बाजार के संबंधित 19 व्यापारीगण नगर निगम रायपुर मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के महापौर कक्ष में आए एवं उन्होने महापौर श्रीमती मीनल चौबे, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, आयुक्त विश्वदीप से चर्चा कर दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए सीलबंदी कार्यवाही के प्रकरण में परीक्षण करवाने का आग्रह किया। इस दौरान महापौर कक्ष में नगर निवेशक आभास मिश्रा, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता आशुतोष सिंह की उपस्थिति रही।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि नगर निगम ने सीलबंदी की कार्यवाही नियमानुसार की है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि व्यापारियों द्वारा वर्ष 2025 में कराये गये नियमितिकरण में दुकान के दोनों ओर प्रवेश द्वार खोलने की अनुमति व्यापारियों को नहीं दी गई है। महापौर ने व्यापारियों से शहर में अच्छी व्यवस्था देने जनहित में सहयोग देने कहा। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने व्यापारियों से कहा कि सीलबंदी प्रकरण में प्रशासन ने नियमानुसार कार्यवाही की है। वे जनप्रतिनिधि विधायक है एवं इस प्रकरण में वे व्यापारियों के साथ खड़े है।

उन्होने रायपुर शहर को सुन्दर बनाकर अच्छी व्यवस्था देने रायपुर नगर निगम को सहयोग देने कहा। उत्तर विधायक ने व्यापारियों से कहा कि वे इसमें नगर निगम रायपुर को सहयोग करें। उनकी अन्य मांगो पर वे पहल कर नगर निगम एवं प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा कर मांगो को शीघ्र पूर्ण कर अच्छी व्यवस्था देने का आवश्यक कार्य सभी साथ मिलकर करेंगे।

नगर निगम अपील समिति में आए 10 प्रकरणों की हुई सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की अपील समिति की बैठक हुई, जिसमें 10 प्रकरणो की सुनवाई की गई। अपील समिति की बैठक होने के उपरांत महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि अपील समिति में कई वर्षों से मामले लंबित हैं जिसकी लगातार सुनवाई करके सभी प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

10 प्रकरणों में से 4 प्रकरण निराकरण की स्थिति में आ गए हैं, शहर की जनता पर किसी भी तरह से थोपे गए आदेशों के विरुद्ध अपील समिति से लोग न्याय की आशा रखते हैं। अपील समिति की बैठक में बेजा कब्जा, राजस्व, नामांतरण, तोडफोड़ के प्रकरण सुने गए। उक्त बैठक में नगर निगम अपील समिति की पदेन अध्यक्ष महापौर श्रीमती मीनल चौबे, समिति के मानद सदस्य एवं पार्षद राजेश गुप्ता, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, महेंद्र औसर, विनय पंकज निर्मलकर, नगर निगम सचिव सूर्यकान्त श्रीवास्तव, निगम के विधिक सलाहकर स्थायी अधिवक्ता टीसी गुप्ता उपस्थित थे।

हरे रंग की साड़ी में वामिका गब्बी ने बिखेरा देसी जलवा, फैंस बोले- बहुत सुंदर

एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने अपने देसी अंदाज़ से एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। भूल चुक माफ के प्रमोशन के लिए वामिका ने ग्रीन कलर की साड़ी में अपना नया लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जो देखते ही देखते वायरल हो गया है।

इस ट्रेडिशनल लुक में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं और फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। इस लाइट ग्रीन साड़ी को उन्होंने पिंक स्ट्रैपलेस ब्लाउज के साथ स्टाइल किया है। मिनिमल मेकअप, हाथों में गुलाबी चूड़ियां और बालों को पीछे बांधकर वामिका ने सिंपल लेकिन एलीगेंट लुक कैरी किया है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, तितली को पाने की अगर थोड़ी सी जल्दी है तो अभी टिकट बुक करो भूल चुक माफ की।

उनकी इस पोस्ट पर अब तक 1.7 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट सेक्शन में फैंस सुंदर, माशाअल्लाह, क्रीन जैसे कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

वामिका गब्बी का यह देसी अवतार यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन के मामले में भी किसी से कम नहीं हैं। उनकी सादगी और स्टाइल का यह कॉम्बिनेशन फैंस के दिलों को खूब भा रहा है। 'भूल चुक माफ' के प्रमोशन से पहले वामिका का यह लुक सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

13 साल की शादी अब 46 की, फिर भी नहीं बनीं मां! इस एक्ट्रेस की क्यों नहीं है एक भी संतान

इंडस्ट्री में कुछ सितारे ऐसे हैं, जिन्होंने शादी के कई साल बाद पैरेंटहुड का रास्ता अपनाया। वहीं कुछ ऐसी भी ग्लैमरस हसीनाएं हैं, जो शादी के बाद भी मां बनने का फैसला नहीं कर पाईं-या कहें, किया ही नहीं। आज हम आपको एक ऐसी ही टॉप बॉलीवुड एक्ट्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी शादी को पूरे 13 साल बीत चुके हैं। लेकिन अभी तक मां नहीं बनीं।

सितारे हो या आम महिलाएं हर किसी को मां बनने का शौक होता है, लेकिन कुछ एक्ट्रेस होती हैं जो शादी के बाद मां बनने का फैसला नहीं ले पाती है या वो लेना नहीं चाहती है। ऐसी ही एक एक्ट्रेस है जो इन दिनों चर्चा में है। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, उम्र अब 46 साल हो चुकी है। मगर मां बनने का कोई इरादा अब तक सामने नहीं आया।

जिनकी हम बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं जानी-मानी एक्ट्रेस विद्या बालन है। इंडस्ट्री के हर फिल्मी गेट-टुगेदर में जब भी विद्या बालन मुस्कुराती नजर आती हैं, कई सवाल हवा में तैरने लगते हैं- क्या उनकी मुस्कान के पीछे कोई अधूरा ख्वाब छिपा है या वो सच-मुच अपनी जिंदगी से पूरी तरह संतुष्ट हैं? साल 2012 में पावर-प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी रचाने के बाद, हर नई मुलाकात पर लोगों का पहला सवाल रहा- अब गुड न्यूज कब सुनाओगी? विद्या हंसकर टालती रहीं, लेकिन जिज्ञासा थमती नहीं। आज जब विद्या 46 साल की दहलीज पार कर चुकी हैं, उन्होंने साफ कहा कि मदरहुड उन्हें नहीं बुलाता। ये बयान जितना स्पष्ट था, उतना ही चौंकाने वाला भी।

सोशल मीडिया पर अगर उनकी कोई फोटो ढीले फ्रेम में दिख जाए तो अफवाहों की रेलगाड़ी छूट पड़ती- क्या ये बेबी बंप है? विद्या फुल-स्टॉप लगा देतीं: नहीं, ये तो बस मेरा पेट है! लेकिन कानाफूसी फिर भी बंद नहीं होती।

विद्या का तर्क तल्ख है: लोग मान लेते हैं कि शादी और बच्चा, जिंदगी के हर मसले के जादुई इरेजर हैं। मगर असलियत ये है कि हर इंसान की प्राथमिकताएं अलग होती हैं और स्त्री का जीवन-लक्ष्य केवल मदरहुड नहीं। 'हम पांच' से लेकर 'भूल-भुलैया-3' तक 40+ फिल्मों की मंजिल पार करते-करते, उन्होंने साबित किया कि अभिनय का जुनून किसी भी पारिवारिक 'टाइमलाइन' से बड़ा हो सकता है। 150 करोड़ की नेटवर्थ इसी फोकस की गवाही देती है।

बर्खा सिंह की लफंगे और क्रिमिनल जस्टिस 4 हफ्ते की टॉप 5 ओरिजिनल सीरीज में शामिल

अपनी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण के दम पर ओटीटी की दुनिया में एक मजबूत पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस बर्खा सिंह इन दिनों सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अपने दमदार अभिनय और लगातार शानदार परफॉर्मेंस के चलते उन्होंने न केवल दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि इंडस्ट्री में भी अपनी अलग जगह बनाई है।

बर्खा सिंह के लिए यह हफ्ता एक और गर्व का मौका लेकर आया है। उनकी दो नई वेब सीरीज 'लफंगे' और 'क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर' ऑरमैक्स मीडिया की ओटीटी व्यूअरशिप रेटिंग्स के अनुसार इस हफ्ते भारत की टॉप 5 सबसे ज्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल सीरीज में शामिल हो गई हैं। इस खुशी के मौके पर बर्खा ने अपने सोशल मीडिया पर फैन्स और दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। 2 रिलीज एक साथ और दोनों टॉप चार्ट्स में! मेरी शुक्रगुजारी सातवें आसमान पर है! 'लफंगे' एक कमिंग-ऑफ-एज ड्रामा है, जो तीन दोस्तों की दोस्ती, संघर्ष, और जिंदगी की उलझनों को खूबसूरती से दर्शाता है। इस शो में बर्खा सिंह ने 'इशिता' का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है। उनके किरदार की मासूमियत और समझदारी, साथ ही गगन अरोड़ा के साथ उनकी केमिस्ट्री को खूब सराहा जा रहा है। यह शो फिलहाल अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रहा है।

वहीं दूसरी ओर, बर्खा सिंह को क्रिटिकली एक्लेम्ड सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर' में देखा जा रहा है, जहाँ उन्होंने वकील 'शिवानी माथुर' का किरदार निभाया है। पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन साझा करते हुए बर्खा की परफॉर्मेंस पहले ही कुछ एपिसोड्स में काफी तारीफ बटोर चुकी है और दर्शक उन्हें आगे और देखने के लिए उत्सुक हैं।

डिजिटल स्पेस में एक मजबूत पहचान बनाने के बाद बर्खा अब फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बना रही हैं। पिछले साल उन्होंने 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी के साथ कैमियो रोल में नजर आकर अपनी प्रेजेंस से दर्शकों को प्रभावित किया था। बर्खा सिंह का यह शानदार सफर उनके समर्पण और कड़ी मेहनत का परिणाम है, और उनका यह नया मुकाम इस बात का प्रमाण है कि ओटीटी पर उनका जलवा लगातार बढ़ रहा है।

वॉटरफॉल के बीच भीगे बदन में नुसरत भरूचा ने कराया बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा अपने स्टाइलिश और बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने एक ऐसा फोटोशूट कराया है जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। नुसरत ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर वॉटरफॉल के बीच भीगे हुए लुक में कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में वह ब्राउन कटआउट आउटफिट में बेहद सिजलिंग अवतार में नजर आ रही हैं। नुसरत ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, स्वाद लें, नाश्ता न करें! और साथ ही अपने स्टाइलिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट और फोटोग्राफर को टैग किया है। वॉटर इफेक्ट्स, ग्लॉसी मेकअप और गीले बालों में नुसरत का यह ग्लैमरस लुक किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लग रहा। फैंस से लेकर सेलेब्स तक हर कोई उनकी इस अदा का दीवाना हो गया है।

एक्ट्रेस की इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, यह मेरा अब तक का सबसे पसंदीदा फोटोशूट है। मुझे इस बारे में सब कुछ बहुत पसंद है, तो किसी ने उन्हें हे भगवान कहकर उनकी तारीफ की।

नुसरत भरूचा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक दमदार एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन और ग्लैमर की दुनिया की भी चमकदार स्टार हैं। उनका यह बोल्ड अंदाज़ अब इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

हीर एक्सप्रेस में दिविता जुनेजा निभाएंगी हीर का दमदार किरदार, टीजर हुआ जारी

मनोरंजन की दुनिया में एक और नई कहानी दस्तक देने जा रही है हीर एक्सप्रेस। यह सीरीज सिर्फ एक साधारण प्रेम-कहानी नहीं, बल्कि रिश्तों की गहराई, पारिवारिक मूल्यों और आत्म-खोज की एक दिल को छू लेने वाली यात्रा है। शो की मुख्य भूमिका में नजर आएंगी प्रतिभाशाली अभिनेत्री दिविता जुनेजा, जो 'हीर' के किरदार में दर्शकों के दिलों पर छा जाने को तैयार हैं।

हीर एक्सप्रेस का कथानक एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपने परिवार के लिए त्याग और संघर्ष करते हुए अपनी पहचान बनाने की जद्दोजहद करती है। इसमें न केवल उसकी आत्म-यात्रा दिखाई गई है, बल्कि उसके जीवन में आने वाले प्यार और उससे जुड़ी उलझनों को भी बड़े ही संवेदनशील तरीके से बुना गया है।

दिविता जुनेजा इस शो के जरिए पहली बार किसी ऐसी भूमिका में नजर आएंगी जो भावनात्मक रूप से बेहद गहराई लिए हुए है। उन्होंने इस किरदार के लिए खास तैयारी की है और दर्शक उनकी सादगी, दृढ़ता और संवेदनशीलता को देखकर जरूर जुड़ाव महसूस करेंगे।

कल शो का पहला टीज़र रिलीज़ होने जा रहा है, जो इस नई कहानी की पहली झलक देगा। दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता है कि 'हीर एक्सप्रेस' आखिर किस तरह की भावनाओं की सवारी करवाएगा। इस सीरीज को एक खास जगह दिलाने के लिए इसके मेकर्स ने पारंपरिक और आधुनिक सोच का बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत किया है, जो इसे सभी उम्र के दर्शकों के लिए प्रासंगिक बनाता है।

आपके चलने का सही तरीका दे सकता है कई स्वास्थ्य में कई लाभ

डॉक्टर्स और फिटनेस विशेषज्ञ रोजाना कुछ मिनट चलने की सलाह देते हैं और इसके लिए लोग तरह-तरह की वॉकिंग एक्सरसाइज को अपनाते हैं, फिर चाहे वो ब्रिस्क वॉक हो या रेट्रो वॉकिंग। हाल ही में सामने आए अध्ययन से पता चला है कि अगर आपके चलने का तरीका सही है तो उससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

4,50,000 से अधिक वयस्कों पर किया गया अध्ययन

शोधकर्ताओं ने बताया कि रोजाना 14 मिनट की सैर को सात मिनट की तेज चाल में बदलने से हृदय रोग का खतरा 14 प्रतिशत तक कम पाया गया। ब्रिटेन में 4,50,000 से अधिक वयस्कों के विश्लेषण में जैविक आयु के आनुवंशिक मार्क का इस्तेमाल करके यह पता चला कि मध्यम आयु तक, जीवनभर तेज चलने से बढ़ती उम्र का प्रभाव कम हो जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि तेज चलने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं।

तेज गति में चलने से मिल सकते हैं कई लाभ

अध्ययन में बताया गया है कि तेज गति में चलना रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसे हृदय रोग के जोखिम कम करने में भी साबित हुआ है। शोधकर्ताओं ने बताया कि तेज गति में चलने से शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा कई अन्य लाभ भी मिल सकते हैं। यह मस्तिष्क की गतिविधि में मदद कर सकता है और रचनात्मक विचारों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। साथ ही भरपूर ऊर्जा भी प्रदान कर सकता है।

शारीरिक निष्क्रियता बन सकती है कई गंभीर बीमारियों का कारण

शोधकर्ताओं ने कहा, शारीरिक निष्क्रियता मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का मुख्य कारण है, जो विकसित और विकासशील देशों में समान रूप से देखी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर शारीरिक सक्रियता पर ध्यान दिया जाए तो प्रतिवर्ष लगभग 39 लाख असामयिक मौतों को रोका जा सकता है। हालांकि, लोग शारीरिक सक्रियता की बजाय चिकित्सा प्रणाली पर काफी हद तक निर्भर हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों को बढ़ाना है जरूरी- शोधकर्ता

शोधकर्ताओं का कहना है कि लोग बीमार पड़ते हैं और फिर बीमारी के इलाज के लिए करोड़ों रुप से ज्यादा का खर्च आता है, जो स्वास्थ्य क्षेत्रों के लिए एक बड़ा मुनाफा है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर इन लागतों का केवल एक अंश सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में लगाया जाए, जिसका उद्देश्य सभी के लिए पैदल चलना और शारीरिक गतिविधि के अवसर बढ़ाना हो तो काफी पैसा बच सकता है और शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

सिरदर्द होने पर आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, आपको जल्द मिलेगा आराम

सिरदर्द एक आम समस्या है, जो किसी को भी किसी भी समय हो सकती है। आमतौर पर लोग सिरदर्द से राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन इनका लगातार सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिनकी मदद से सिरदर्द को प्राकृतिक रूप से दूर किया जा सकता है और बिना दवा खाए आप राहत पा सकते हैं।

अदरक का करें सेवन

अदरक में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो सिरदर्द को दूर करने में मदद कर सकते हैं। अदरक की चाय पीने से या फिर अदरक का रस निकालकर पीने से आपको आराम मिल सकता है। अदरक का सेवन न केवल सिरदर्द को कम करता है बल्कि यह पाचन को भी सुधारता है और शरीर की सूजन को कम करता है। अदरक का सेवन करने से आपको ताजगी और ऊर्जा भी मिलती है।

पुदीने की पत्तियों से मिलेगी राहत

पुदीने की पत्तियां ठंडक प्रदान करती हैं और इनके सेवन से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। पुदीने की पत्तियों का रस निकालकर पीने या फिर पुदीने की चाय पीने से सिरदर्द कम होता है। पुदीने की पत्तियों का सेवन करने से आपको ताजगी और ऊर्जा भी मिलती है। यह न केवल सिरदर्द को कम करता है, बल्कि पाचन को भी सुधारता है और शरीर की सूजन को कम करता है।

ठंडी सिकाई करें

ठंडी सिकाई करने से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। बर्फ या ठंडे पानी की सिकाई करने से रक्त का बहाव बेहतर होता है और दर्द कम होता है। बर्फ को कपड़े में लपेटकर प्रभावित जगह पर लगाएं या ठंडे पानी से नहाएं। यह न केवल सिरदर्द को कम करता है, बल्कि शरीर की थकान भी दूर होती है और आपको ताजगी महसूस होती है। ठंडी सिकाई से मांसपेशियों को भी आराम मिलता है।

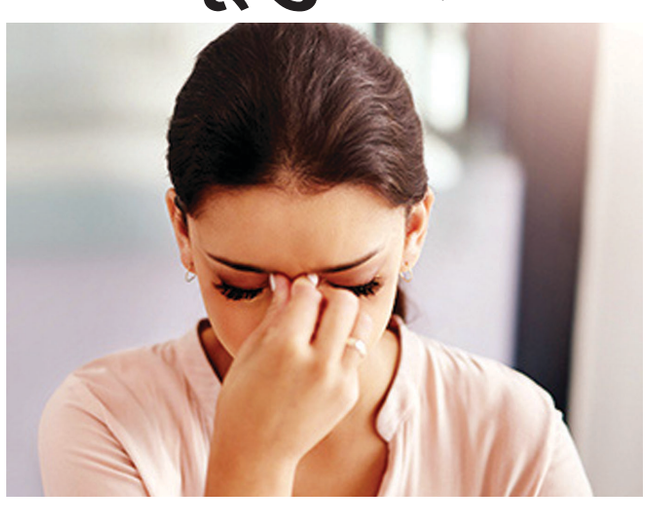

तुलसी की पत्तियों का करें इस्तेमाल

तुलसी की पत्तियां आयुर्वेदिक औषधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनमें सूजन कम करने वाले और दर्द से राहत देने वाले गुण होते हैं, जो सिरदर्द को दूर करने में मदद करते हैं। तुलसी की पत्तियों का सेवन करने से सिरदर्द कम होता है और शरीर की सूजन भी घटती है। इसके अलावा तुलसी की पत्तियां पाचन क्रिया को सुधारती हैं और शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाती हैं, जिससे सिरदर्द की समस्या में राहत मिलती है।

अधिक पानी पीएं

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। शरीर में पानी की कमी सिरदर्द का एक बड़ा कारण होती है। इसलिए दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं ताकि आपका शरीर हाइड्रेट रहे और सिरदर्द जैसी समस्याओं से बचा जा सके। इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप बिना किसी दवा के अपने सिरदर्द को प्राकृतिक रूप से दूर कर सकते हैं। इनका नियमित सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है।

खास खबर

अहमदाबाद विमान हादसा में मृत लोगो को दी गई श्रद्धांजलि

भिलाई। गुजरात के अहमदाबाद में गुरूवार को बड़ा विमान हादसा हुआ है। एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद के मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुआ था, जिसमें 242 यात्रीगण सवार थे। एयर इंडिया का विमान जब एक हास्टल के डाइनिंग एरिया से टकराया, तब वहां मौजूद कई मेडिकल छात्रों की मृत्यु हो गई। विमान हादसे में 265 मृत लोगों की स्मृति में निगम परिवार की ओर से उनके परिवारों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने एवं मृतात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, एम.आई.सी. सदस्य सीजू एन्थोनी, चंद्रशेखर गंवई, लालचंद वर्मा सहित निगम के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

पीएम आवास के 127 हितग्राही कर सकते हैं दावा आपत्ति

भिलाई। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के लाभार्थी आधारित निर्माण (बी.एल.सी.) घटक अंतर्गत मकान आबंटन किया गया है। उसका रैपिड असेंसमेंट सर्वे से प्राप्त दस्तावेज के आधार पर शासन के निर्देशानुसार तृतीय फेस में निकाय की संयुक्त समिति द्वारा परीक्षण उपरांत संशोधित 127 पात्र आवेदनों की सूची दावा आपत्ति हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। जिस किसी व्यक्ति, संस्था अथवा समूह को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा हो तो दिनांक 16.06.2025 से 23.06.2025 तक की अवधि में प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय जोन क्रं. 03 प्रथम तल में लिखित रूप से दावा आपत्ति कर सकते है। दिनांक 23.06.2025 पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति अमान्य होगा। रैपिड असेंसमेंट सर्वे में तृतीय फेस में 127 पात्र आवेदकों की सूची को नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं सभी 5 जोन कार्यालयों के सूचना पटल एवं वार्डो के मुख्य स्थलों परद्ध चस्पा किया गया है।

आयुक्त ने बंद फौव्वारे को चालू करने के दिए निर्देश

भिलाई। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, एम.आई.सी. सदस्य लक्ष्मीपति राजू, जोन आयुक्त कुलदीप कुमार गुप्ता के साथ नगर निगम भिलाई के जोन क्रं. 05 क्षेत्र के उद्यानों एवं वाटर एटीएम का निरीक्षण किए। वार्ड क्रं. 67 सेक्टर 07 स्थित सड़क 8-9 उद्यान में स्थापित फाउंटेन संधारण एवं अन्य मरम्मत कार्य के लिए उप अभियंता को निर्देशित किए। शिव धाम तालाब उद्यान की साफ-सफाई व्यवस्था को बनाये रखते हुए बारिश से पूर्व अवांछित खरपतवार एवं डालियों की कटाई-छटाई कराने हेतु उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को निर्देशित किये। ओवरब्रिज के बगल में लगे उद्यान में भी फौव्वारा स्थापित है, जो वर्तमान में बंद है। उपस्थित जोन आयुक्त और उप अभियंता को संधारण कर शीध्र चालू कराने निर्देशित किए, जिससे रोड साइड स्थित उद्यानों की सुंदरता और आकर्षकता बरक़रार रहे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सैमुएल, जोन सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उप अभियंता श्वेता माहेश्वर, आदि उपस्थित रहे।

नाला संवर्धन से ग्रामों के किसानों को मिल रहा है सीधा लाभ

सिंचाई की समुचित प्रबंधन के साथ रोजगार और आय में हो रही वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों में जल संरक्षण एवं संवर्धन के विशेष प्रयास किए जा रहें हैं। इस तारतम्य में सुरजपूर जिले मे कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक अनुकरणीय पहल के रूप में गोडकटवा नरवा का संवर्धन कार्य संपन्न हुआ। जनपद पंचायत प्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदौरा, दरहोरा, देवरी, पकनी एवं सेमई में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत यह कार्य 58.81 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से पूर्ण किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कमलेश नंदिनी साहू ने बताया कि गोडकटवा नाला, जो कि एक बारहमासी जल स्रोत है, अब ग्रामीणों के लिए केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि आजीविका और समृद्धि का साधन बन चुका है। जल संरक्षण की दिशा में किए गए इस कार्य के अंतर्गत ब्रशवुड, मिट्टी बांध, गली प्लग और बोल्डर चेक डैम जैसे कुल 64 संरचनात्मक कार्यों में 285 स्थायी स्ट्रक्चर का निर्माण किया गया। इस सम्पूर्ण कार्य में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी, श्रमदान एवं मेहनत का विशेष योगदान रहा है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के क्रियान्वयन से चंदौरा से लेकर सेमई तक के किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। इससे लगभग 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हुई है, कृषकों को रबी एवं खरीफदोनों मौसमों में अच्छी फसल प्राप्त हो रही है। इतना ही नहीं, अब किसान गर्मियों में भी गेहूं, उड़द, तथा हरी सब्जियों की खेती कर रहे हैं। इससे न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, बल्कि बाजार पर निर्भरता घटने से परिवारों को आर्थिक बचत भी हो रही है।

गोडकटवा नाला के संवर्धन से जल स्तर अब इतना बढ़ गया है कि स्थानीय कृषकों ने उसमें मछली पालन की शुरुआत भी कर दी है। इससे ग्रामीणों को अतिरिक्त आमदनी का एक नया स्रोत प्राप्त हुआ है। एक किसान ने बताया कि धान फसल के समय जब सिंचाई जल की अत्यधिक आवश्यकता होती है, तब गोडकटवा नरवा उनके फसलों के लिए जीवनदायिनी के रूप में है। जल की समुचित व्यवस्था के चलते अब फसलें अधिक स्वस्थ, हरी-भरी होने से उत्पादन मे वृद्धि हो रही हैं। फसल खराब नहीं हो रही है।

मनरेगा के तहत हुए इस कार्य से न केवल जल संसाधनों का विकास हुआ है, बल्कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। इससे ग्रामवासियों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन देखा गया है।

इस परियोजना ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सही दिशा-निर्देशन, समुदायिक की सहभागिता और योजनाबद्ध क्रियान्वयन हो, तो जल संरक्षण के माध्यम से ग्रामीण जीवन में समृद्धि लाई जा सकती है। गोडकटवा नाला का यह विकास कार्य अब संपूर्ण जिले में जल प्रबंधन और ग्रामीण पुनरुत्थान का एक अनुकरणीय मॉडल बन चुका है।

कच्चे मकानों की दीवार ही नहीं टूटी, मुसीबते भी टूट कर खुशियों को कर रही पक्का

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। गाँव में मजदूरी कर कच्चे मकान में मुसीबतों का साथ जिंदगी गुजारते आए झूल सिंह और उनकी पत्नी फुलकुँवर को नहीं लगता था कि वे भी कभी पक्का मकान बना पाएंगे। उनकी जिंदगी तो जभी कुछ काम मिले तो उनकी मजदूरी में और कभी न मिले तो घर के चाहरदीवारी में ही बीत जाया करती है, ऐसे में पक्का मकान बना पाना तो उनके लिए दूर की कौड़ी ही थी। जैसे-तैसे अपनी जिंदगी को जीते आ रहे झूलसिंह और उनकी पत्नी फुलकुँवर का भी सपना था कि उनका भी आशियाना ठीक ठाक हो। कम से कम खपरैल वाले छत और मिट्टी की दीवारें तो न हो, क्योंकि इन मिट्टी की दीवारों और खपरैल की छत की वजह से उन्हें बारिश में हमेशा परेशानी उठानी पड़ती है। कई मुसीबतों का बीच उन्हें रहना पड़ता था। जब इन्हें मालूम हुआ कि प्रधानमंत्री आवास योजना में उनका नाम है तो इनकी खुशियों का ठिकाना न रहा। अपनी जरूरी दस्तावेज जमा कर पहली किश्त हासिल की और खुशी-खुशी उस कच्चे मकान की दीवारों को ढहा दिया जो उन्हें मुसीबतों से वास्ता कराती थीं। अब मजबूत नींव के साथ ही वे न सिर्फ पक्के मकान के लिए पक्की दीवारे उठा रहे हैं... अपने सपनो को पूरा करने के साथ ही खुशियों को भी पक्का कर रहे हैं।

कोरबा शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दम्हामुड़ा के आश्रित ग्राम बोदरापारा में रहने वाले झूलसिंह मरपच्ची और उनकी पत्नी फुलकुँवर ने बताया कि गाँव में मजदूरी के भरोसे घर चलता है। सीजन के साथ ही कुछ वनोपज संग्रहण कर लेते हैं और तेन्दूपत्ता भी तोड़कर बेचते हैं। इससे कुछ रुपयों का इंतजाम हो जाता है। झूलसिंह ने बताया कि घर पर दो बच्चे हैं। यहाँ कई पीढ़ी से कच्चे मकान में ही रहते आये हैं। कच्चे मकान में बारिश के दिनों में खपरैलों के बीच से पानी टपकना और कच्ची दीवारों को नुकसान होना आम बात है। गाँव में कुछ अन्य लोगो के पक्के मकान को देखकर उन्हें भी लगता था कि उनका भी घर पक्का बन जाये तो उन्हें मुसीबतों से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन उनका यह सपना कभी पूरा हो भी पायेगा,ऐसा उन्हें लगता ही नहीं था,क्योंकि उनके पास पक्का घर बनाने के लिए इतने पैसे ही नहीं थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में जब उन्हें मालूम हुआ तो ऐसा लगा कि वास्तव में पैसा मिलेगा या नहीं। जब उनके खाते में पहली किश्त की राशि आई तो बहुत खुशी हुई। झूलसिंह ने बताया कि राशि मिलने के बाद पुराने जर्जर मकान को तोड़कर नया मकान बना रहे हैं। अभी नींव डालकर दीवारे भी खड़ी कर चुके हैं।

बोई परीक्षा परिणाम आशानुरुप नहीं आने पर शिक्षकों पर तय होगी जिम्मेदारी-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि बोर्ड परीक्षा परिणाम आशानुरूप नहीं आने पर अब शिक्षकों और प्राचार्यों पर जिम्मेदारी तय होगी। जिन स्कूलों के परिणाम कम आये है, उन स्कूलों के प्राचार्य इसके कारणों पर विचार करें और उनमें सुधार करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्राचार्यों की समीक्षा बैठक ली।

स्थानीय डॉ. शोभाराम देवांगन हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर ने कहा कि धमतरी जिले में अच्छे शिक्षक, बच्चे और जागरूक पालकगण हैं, जो बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान रखते है। उसके बाद भी जिले के 13 ऐसे स्कूल है, जिनमें 50 प्रतिशत से भी कम परिणाम आये है, जो सोचनीय है।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार की आवश्यकता है, जो इस वर्ष आप सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों के परिणाम सुधारने हेतु मासिक, तिमाही और छमाही परीक्षा आयोजित कर अच्छी तैयारी करायें। आने वाले दिनों में इसी पर समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आप सभी कक्षा के कमजोर बच्चों को अलग क्लास लेकर उनके स्तर में सुधार करें और मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट में आने के अनुरूप तैयारी करायें। उन्होंने सभी प्राचार्यों से कहा कि स्वप्रेरणा और इच्छाशक्ति से कार्य करें तो स्कूल का परिणाम अच्छा लाया जा सकता है। कलेक्टर ने कहा कि अन्य जिलों की अपेक्षा धमतरी जिले में ज्यादा बेहतर सुविधायें उपलब्ध है।

इसका समुचित उपयोग करते हुए बच्चों की पढ़ाई पर फोकस करें। उन्होंने 16 जून को जिले के सभी स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव की सभी तैयारियां पूरी करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दिन बच्चों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और बालिकाओं को सायकल वितरित करने को भी कहा।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्राचार्यों से कहा कि पीएमश्री स्कूलों की तर्ज पर अब हायर सेकेण्डरी स्कूलों में भी एक प्रतिस्पर्धा आयोजित की जायेगीं। इसमें सफाई, प्लांटेशन, कबाड़ से जुगाड़, शौचालयों की स्थिति, क्लास रूम की स्थिति पर मूल्यांकन किया जाएगा। इनमें प्रथम स्थान के स्कूल को 5 लाख, द्वितीय को 3 लाख और तृतीय को 2 लाख रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही अन्य 10 बेहतर शालाओं को भी एक-एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। उन्होंने जिले में शिक्षकों व संस्थाओं द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्यों की सराहना भी की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करना जरूरी है। इसके साथ ही बच्चो को पढ़ाई से जोड़ने हेतु कुछ रोचक एक्टिविटीज का भी सहारा लिया जाना चाहिए। सीईओ ने कहा कि स्कूलों मे बिजली, पानी, शौचालय, भवन मरम्मत आदि के कार्यों को बारिश के पूर्व लें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जल जीवन मिशन से बदली तस्वीर कुजरी बना 'हर घर जल' ग्राम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता में शामिल जल जीवन मिशन आज गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल रहा है। जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बूमतेल के ग्राम कुजरी में यह बदलाव देखा जा सकता है, जहां अब हर घर में नल से पानी पहुंच रहा है।

जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव के 63 घरों में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से नियमित जल आपूर्ति की जा रही है। उच्चस्तरीय जलागार से जुड़े इन कनेक्शनों ने ग्रामीणों को जल संकट से मुक्त कर दिया है।

ग्रामवासी अशोक भगत बताते हैं, पहले हमें पानी भरने के लिए हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था, अब घर पर नल लग गया है और

बड़ी राहत मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सुविधा उनके लिए बहुत बड़ी सौगात है। गांव में जल आपूर्ति पूर्ण रूप से संचालित होने के पश्चात 'हर घर जल' सत्यापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने भाग लेकर योजना के प्रति अपनी संतुष्टि व्यक्त की। इसके बाद कुजरी को हर घर जल ग्राम घोषित किया गया और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जशपुर द्वारा ग्रामीणों को इस उपलब्धि पर बधाई दी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है की यह सिर्फ नल जल योजना नहीं, यह सम्मान, सुविधा और स्वाभिमान का जल है। हर गांव, हर घर तक पानी पहुंचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।जल जीवन मिशन के माध्यम से न सिर्फ ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल रही है, बल्कि महिलाओं को भी राहत मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नागपुर में मंत्रालय की सर्वोत्तम विधियों पर आयोजित प्रथम सम्मेलन का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नागपुर में मंत्रालय की सर्वोत्तम विधियों पर आयोजित प्रथम सम्मेलन का वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय विधियों को दर्शाना है।

जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। देश भर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना प्रभाग और रक्षा मंत्रालय ने सम्मेलन में सहयोग किया। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया। श्री नड्डा ने अपने संबोधन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक एम्स उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए रणनीतिक रूप से स्थित प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो समान, किफायती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है। ये संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा जुड़े विशेषज्ञों की एक नई पीढ़ी को विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

श्री नड्डा ने प्रत्येक नए एम्स की सर्वोत्तम विधियों और नवाचारों को अन्य एम्स के साथ साझा करने के महत्व पर जोर दिया ताकि उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जा सके। उन्होंने एम्स नागपुर की अग्रणी भूमिका निभाने और सर्वोत्तम विधियों पर पहला सम्मेलन आयोजित करने के लिए भी सराहना की। श्री नड्डा ने सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सम्मेलन शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवाएं; तथा शासन और रोगी सुविधा के क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने की एक अग्रणी पहल है।

श्री नड्डा ने भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने के लिए डॉक्टरों को तैयार करने में एम्स की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षण-अध्ययन के क्षेत्र में, योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम को अपनाना, डिजिटल शिक्षण में निवेश, अत्याधुनिक सिमुलेशन प्रयोगशालाएं और संरचित मेंटरशिप कार्यक्रमों का कार्यान्वयन शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि नए एम्स क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक अध्ययनों, नैतिक नैदानिक परीक्षणों और अनुवाद संबंधी शोध के माध्यम से देश की वैज्ञानिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंत:विषय सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयास आने वाले वर्षों में जटिल सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं को हल करने की मदद करेंगे।

श्री नड्डा ने कहा, एम्स परिसर उन्नत बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले, साक्ष्य-आधारित और किफायती उपचार प्रदान करके रोगी देखभाल को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। ई-गवर्नेंस टूल, पारदर्शी प्रशासनिक ढांचे और जन औषधि केंद्र, डिजिटल पंजीकरण प्रणाली और समर्पित हेल्पडेस्क जैसे रोगी-केंद्रित नवाचारों का उपयोग यह दर्शाता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में दक्षता और करुणा एक साथ शामिल हो सकती है।

अपने संबोधन में, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने चिकित्सा शिक्षा और सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता के सरकार के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए सभी हितधारकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थागत विकास नेतृत्व के दृष्टिकोण ने अन्य संस्थानों की सर्वोत्तम विधियों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया है।

भिलाई में बनेगा 500 सीटर सेंट्रल लाईब्रेरी सह रीडिंग जोन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में 500 सीटर सेंट्रल लाईब्रेरी सह रीडिंग जोन का निर्माण 1142.28 लाख रूपये से किया जाएगा, जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नवा रायपुर द्वारा प्रदान की गई है। रीडिंग जोन के माध्यम से 500-1000 युवा प्रतिभागी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पढ़ाई कर सकेगें। शेष राशि हेमचंद यूनिवर्सिटी के सी.एस.आर मद द्वारा प्रदाय किया जाना है, जिससे उसकी क्षमता 1000 सीटर हो जाएगी।

अत्याधुनिक लाईब्रेरी में बायोमेट्रिक सिस्टम के जरिए ही अधिकृत सदस्यों को प्रवेश दिया जाएगा। प्रतिभागीयों को नि:शुल्क वाई-फाई की सुविधा भी दी जाएगी। युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण कक्ष तैयार किया जाएगा। सेंट्रल लाईब्रेरी के निर्माण से छात्रों को एक आरामदायक और शांत वातावरण में अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी। लाईब्रेरी में पर्याप्त जगह रहेगा, जहां छात्र बैठकर एकाग्र होकर पढ़ सकेगें।

लाईब्रेरी में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, पत्रिकाएं और ई-संसाधन उपलब्ध रहेगा। जहां छात्रों को अपने विषय के अलावा अन्य विषयों की भी जानकारी मिलेगी और उनके बौध्दिक क्षमता का विकास होगा। लाईब्रेरी प्रारंभ होने से भिलाई शहर के युवाएं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेकर अपनी अलग ही पहचान बनाएगें और भिलाई का नाम रोशन करेगें।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

वन विभाग ने सागौन और बीजा लकड़ी का चिरान किया जब्त

बलौदाबाजार। वनमंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील के निर्देशन में लगातार वन और वन्यजीव अपराध पर कड़ी निगरानी कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को सोनाखान परिक्षेत्र में सर्च के दौरान एक बाड़ी में रखे 67 नग चिरान मूल्य लगभग 50 हजार जब्त किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार परिक्षेत्र सोनाखान ग्राम चिखली में सर्च के द्वारा तिलक राम पिता दुवारू कर्ष के घर एवं बाड़ी में तलाशी किया गया। तलाशी के दौरान सागोन एवं बीजा चिरान 67 नग अवैध रूप से रखा हुआ पाया गया। परिक्षेत्र सहायक सोनाखान, नवागाव एवं वन कर्मचारियों तथा सुरक्षा श्रमिकों द्वारा तलाशी किया गया जब्त वनोपज की अनुमानित कीमत 50000 पचास हजार रुपये है। अभियुक्त के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत कार्यवाही किया गया है। वनमंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने वन्य प्रेमियों व नागरिकों से अपील की है कि वे वनों और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए अवैध कटाई, अवैध शिकार अन्य अपराधों को रोकने के लिए वन विभाग को तत्काल सूचित करे। कार्यवाही के दौरान एससीएफओ योगेश कुमार साहू, बीएफओ खगेश्वर ध्रुव, मुकुल बघेल, बुद्धेश्वर दिवाकर तथा सुरक्षा श्रमिक एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

घर उजाड़ने की नोटिस मिलने पर लोगों ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव

रायगढ़। शहर के जेल पारा से सटे मोहल्ले में प्रस्तावित मरीन ड्राइव निर्माण का स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध किया है। अपने घरों को तोड़ने के नोटिस मिलने से नाराज सैकड़ों लोग शुक्रवार देर रात सड़कों पर उतर आए और कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें बिना पूर्व सूचना के जबरन उजाड़ा जा रहा है।

लोगों का कहना है कि वर्षों से वे यहां रह रहे हैं और अचानक मरीन ड्राइव परियोजना के नाम पर उनके आशियाने छीनने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा कि बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए नया शनि मंदिर से लेकर जेल

पारा होते हुए जूट मिल के पीछे मरीन ड्राइव बनना तय है, जिसके जद में लगभग 100 से अधिक घर आ रहे हैं। जिसको तोड़ने को लेकर नगर निगम ने नोटिस जारी किया है। जिससे लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। जैसे ही लोगों को इसकी जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ कलेक्टर कार्यालय पहुंची, पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। रात में ही भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया ताकि हालात नियंत्रण में रहे। वहीं मौके पर रायगढ़ SDM महेश शर्मा पहुंचे हुए हैं और लोगों को समझाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से पुलिस फोर्स की मौजूदगी में प्रशासन ने बुलडोजर चलाना शुरू किया। इस दौरान लोगों ने इसका विरोध शुरू किया गया, लेकिन अधिकारी मानने को तैयार नहीं थे। तोड़फोड़ का विरोध करने आई महिलाओं को महिला पुलिस बल ने पीछे किया।

छावनी में लोक कलाकार महिला पर गर्म तेल फेंककर फरार हुआ बदमाश, शादी के लिए कर रहा था परेशान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र में सनकी युवक ने लोक कलाकार महिला के चेहरे पर गर्म तेल फेंक दिया। इससे महिला का चेहरा बुरी तरह से झुलस गया। महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सनकी युवक महिला से शादी करना चाहता था और इसके लिए उसे लगातार परेशान कर रहा था। फिलहाल छावनी पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

दरअसल छावनी पुलिस को जिला अस्पताल दुर्ग से फोन पर जानकारी मिली। इस दौरान बताया गया कि एक महिला जिसका नाम शकुंतला मारकण्डेय पति बाबूलाल मारकण्डेय (34) है। जो कि केम्प 01 नेहरू चौक भिलाई थाना छावनी निवासी है। महिला को झुलसी अवस्था में अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। इसके बाद छावनी पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर महिला का बयान लिया।

पीडित शकुंतला ने बताया कि लोक कलाकार है और लोकदर्पण छत्तीसगढी कार्यक्रम करती है। उसने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ उक्त पते पर रहती है। उसका पड़ोसी राकेश साहू उससे शादी की जिद कर रहा है। शादी करने से मना करने पर चहरे में एसिड डालने की धमकी दी। शकुंतला ने बताया कि 15 अप्रैल को वह यूपी के मिर्जापुर में कार्यक्रम करने गई थी। 12 जून 2025 की शाम 04.30 बजे अपनी बेटी हर्षिता के साथ वापस अपने घर केम्प 01 पहुंचकर घर का दरवाजा खोल रही थी।

उसी समय मोहल्ले का राकेश साहू आया और एक बार फिर शादी की बात की। मना करने पर गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। वह अपने साथ कटोरी में कर्म तेल लाया और चेहरे पर फेंक दिया। इसके बाद शकुंतला चीखने लगी तो राकेश साहू वहां से भाग गया। तेल फेंकने से चेहरा व सीना झुलस गया। इस मामले में महिला की शिकायत पर छावनी पुलिस ने राकेश साहू के खिलाफ बीएनएस की धारा 124(2), 296, 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

सूने मकान में हुई चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के दिशा-निर्देशन पर कोतरारोड़ पुलिस ने घर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी गई मोटरसाइकिल और एलईडी टीवी को बरामद कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। घटना 9 जून को सामने आई जब प्रार्थी राजकुमार भगत, निवासी सीतापुर (खैरपुर), थाना कोतरारोड़ ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पूजा-पाठ करने वाले उपेन्द्र पाठक बाबा, जो अपने घर को बंद कर परिवार सहित मूल निवास स्थान छपरा,

बिहार शादी समारोह में गए थे, उनके घर में रात के समय (8-9 जून की रात) चोरी हो गई है। इस रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड़ में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 253/2025 धारा 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित विवेचना करते हुए संदेही अर्जुन भगत को सीतापुर (खैरपुर) से पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने दो अन्य साथियों विजय यादव और रमन पटेल के साथ मिलकर चोरी करना कबूल किया। तीनों ने मिलकर 8 जून की शाम को उपेन्द्र पाठक के बंद घर की रेकी की और रात में विजय यादव द्वारा लोहे के सरिये से ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। घर में सोना-चांदी या नकद धनराशि नहीं मिलने पर आरोपियों ने वहां से मोटरसाइकिल HF डीलक्स (क्र. CG 13 O 3740) और एक LED टीवी चुरा ली। उनका इरादा चोरी के सामान को बेचकर पैसे को आपस में बांटने का था। पुलिस ने सभी आरोपियों से चोरी गई बाइक, टीवी और घटना में प्रयुक्त लोहे का सरिया जब्त कर लिया है तथा प्रकरण में धारा 3(5) बीएनएस की वृद्धि की गई है।

जगदलपुर में अपने पड़ोसी को मौत के घाट उतारने वाला युवक हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। युवक ने अपने पड़ोसी के तानों से तंग आकर उसकी हत्या कर दी है। पहले बांस के डंडे से पिटाई की। जिसके बाद उसके सिर में ईंट से कई वार किए। जिससे 50 साल में शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मामला नकटी सेमरा इलाके का है। यहां के रहने वाले युवक महेश कश्यप (32) और उसके पड़ोसी आसमन कश्यप (50) के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। महेश कश्यप का कहना है कि आसमन उसकी बेरोजगारी को लेकर ताने मारता था। कुछ काम कर ले, दिन भर पड़ा रहता है कहता रहता था।

रोज-रोज के इन्हीं तानों से तंग आ गया था। वहीं एक दिन पहले भी कुछ

ऐसा ही हुआ। जिससे महेश कश्यप ने आसमन की पिटाई शुरू कर दी। उसे बांस के डंडे से जमकर पीटा। जिसके बाद पास में ही रखे ईंट से सिर में मारा। महेश की पिटाई से आसमन की मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद वह मौके से भाग गया।

वहीं गांव के कोटवार ने इस हत्या की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की। युवक की तलाश शुरू की। मौके से खून से सनी मिट्टी का सैंपल, ईंट और बांस बरामद किया गया। वहीं युवक की तलाशी के लिए जवानों को मुस्तैद किया गया। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि आरोपी युवक को उसी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने अपना जुर्म भी कबूल लिया है। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है।

बलौदाबाजार जेल में बंदी की मौत से मचा बवाल आबकारी एक्ट में पुलिस ने भेजा गया था जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिला जेल में बंदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। हाल ही में उसे आबकारी एक्ट के मामले में जेल दाखिल किया गया था। तबीयत बिगड़ने पर बंदी को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की शाम को उसने दम तोड़ दिया। इसकी जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने जेल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान उमेंद्र बघेल (34) निवासी ग्राम खैरी थाना पलारी के रूप में हुई है। उसे पलारी पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर चार दिन पहले उपजेल बलौदाबाजार में दाखिल किया गया था। जेल में दाखिल होने के तीसरे दिन

उमेंद्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे बलौदाबाजार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार शाम लगभग 4 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के जानकारी मिलने के बाद मृतक की पत्नी ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन दिनों से पति की हालत नाजुक थी, फिर भी अस्पताल में भर्ती होने की सूचना उन्हें नहीं दी गई। जब सूचना दी गई, तब तक उमेंद्र की मौत हो चुकी थी और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी थी। इधर एएसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि मामले की पूरी जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सुपेला फ्लाईओवर पर हादसा, पहले कार को ठोकर मार कार ट्रक चालक दूसरे ट्रक से भिड़ा, लगा जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शुक्रवार दोपहर बाद सुपेला फ्लाई ओवर एक ही ओर जा रहे दो ट्रक भिड़ गए। रायपुर से दुर्ग की ओर जो रहा ट्रक सामने खड़ी कार को ठोकर मारते हुए साइड में दूसरी ट्रक से भिड़ गया। हादसे के बाद ट्रक का चालक फरार हो गया। घटना के बाद फ्लाईओवर पर लंबा जाम लग गया। यातायात पुलिस ने जेसीबी के सहारे ट्रकों को अलग किया और जाम खुलवाया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार करीब 3 बजे से 3:30 बजे के आसपास की बताई जा रही है। रायपुर

से दुर्ग की ओर जा रही सरिया लोडेड ट्रक एक दूसरे ट्रक से जा भिड़ी। दरअसल फ्लाईओवर के संजय नगर सुपेला वाले हिस्से के अंतिम छोर पर कार को ठोकर मारकर ट्रक चालक फ्लाईओवर के एक ओर खड़ी ट्रक से भिड़ गया। उस ट्रक का चालक वहां नहीं था। हादसे में कोई हताहत तो नहीं हुआ लेकिन हादसे के कारण फ्लाईओवर पर लंबार जाम लग गया। सुपेला पुलिस व यातायात पुलिस ने जेसीबी बुलवाकर ट्रकों को एक किनारे किया और यातायात को सामान्य कराया। इस दौरान लगभग 40 मिनट तक अफरा तफरी का माहौल रहा।

हाईकोर्ट रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और इस पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से सख्त सवाल पूछे हैं। कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव और खनिज सचिव से जवाब तलब किया है कि जब पहले ही अवैध खनन रोकने के निर्देश दिए जा चुके हैं, तो फिर यह हाल क्यों है? बलरामपुर में एक आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला गया और अब गरियाबंद में रेत माफिया फायरिंग कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने दोहराया कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

बीएसपी कर्मी को जान से मारने की कोशिश, हमलावर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस ने भिलाई स्टील प्लांट में काम करने वाले युवक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि बीते 12 जून को थाना भिलाई भट्ठी को सूचना मिली कि जिला अस्पताल दुर्ग में दुर्गेश कुमार नाम का युवक भर्ती किया गया है। उसके ऊपर किसी जानलेवा हमला किया है। वो एचएससीएल कालोनी तेलहा नाला खुर्सीपार का रहने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम वहां पहुंची। पुलिस ने घायल दुर्गेश कुमार से घटना के संबंध में पूछताछ की तो उसने बताया कि 12 जून की रात 9.50 बजे वो अपनी साइकल से भिलाई स्टील प्लांट ड्यूटी पर जा रहा था।

जैसे ही वो खुर्सीपार रेल्वे फाटक के आगे रोलिंग गेट के पास पहुंचा लव कुमार अपने दोस्त जय कुमार के साथ आया और उसके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। उसने बताया कि लव कुमार से उसकी पुरानी दुश्मनी है। इसी को लेकर उसने उसकी हत्या का प्लान बनाया था। वो अपने साथ चाकू और डंडा लेकर आया था। उसने हत्या की नीयत से उसके ऊपर वार किया। इसमें उसे सिर और हाथ में गहरी चोट आई। जब उनसे शोर मचाया तो रास्ते में आ रहे लोगों को देखकर आरोपी भाग गए। पुलिस ने बयान लेने के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफहत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू की।

इसी दौरान शुक्रवार शाम उन्हें पता चला कि आरोपी लव कुमार उर्फ लल्लू (25 साल) खुर्सीपार में अपने घर के पास देखा गया है। पुलिस की टीम तुरंत वहां पहुंची और छापामार कार्रवाई कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपी लव कुमार उर्फ लल्लू के पास से पुलिस ने एक धारदार बटन चाकू भी जब्त किया है।

ई-रिक्शा ने ली मासूम की जान, आरोपी हुआ फरार

दुर्ग। उरला में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां महज ढाई साल के बच्चे की ई-रिक्शा के नीचे दबकर मौत हो गई। मामले में बताया गया कि, ई-रिक्शा चालक नशे में धुत होना बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपी फरार है। मोहन नगर थाना पुलिस जांच में जुटी है। दरअसल, दुर्ग के उरला बांबे आवास में रहने वाले परिवार के ढाई साल का बच्चा खुशान दास मानिकपुरी घर के सामने अन्य छोटे बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान इसी क्षेत्र का रहने वाला आरोपी अजय विश्वकर्मा नशे में धुत ई-रिक्शा चलाते हुए खेल रहे बच्चे पर चढ़ा दिया। जिससे घटना में मासूम बुरी तरह दब गया। वहीं कुछ दूर पर बैठे बच्चे के चाचा ने आवाज सुनकर चक्के के नीचे दबे बच्चे को बाहर निकाला और मासूम को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे में मासूम बच्चे के सिर,रीढ़ की हड्डी, हाथ पैर में गंभीर चोट आई है। इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। वहीं घटना के बाद आरोपी चालक उल्टा चाचा को धमकाने लगा। घटना के बाद से ही क्षेत्र के लोगों में आक्रोश और मातम पसरा हुआ है। मोहन नगर थाना पुलिस ने घटना के बाद ई- रिक्शा जब्त कर लिया है।

एक परिवार के पांच लोगों ने की जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश

घटना परतापुर थाना क्षेत्र की, 3 बच्चों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। कांकेर जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। परतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चन्दनपुर अंतर्गत ग्राम पी. व्ही. 70 शांतिनगर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस दर्दनाक घटना में परिवार के तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई है। मृत बच्चों की पहचान वर्षा बैरागी (उम्र 11 वर्ष), दीसी बैरागी (उम्र 7 वर्ष) और देवराज बैरागी (उम्र 5 वर्ष) के रूप में हुई है।

माता-पिता ने भी ज़हर खाकर जान देने की कोशिश की, लेकिन

उन्हें समय रहते सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। अभी तक ज़हर खाने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्राथमिक तौर पर मामला घरेलू परेशानी हो सकता है। पूरा मामला परतापुर थाना क्षेत्र का है और पुलिस द्वारा विस्तृत जांच जारी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आत्म हत्या का कारण क्या है। फिलहाल जांच जारी है।

मुख्यमंत्री साय के हाथों मिलेगी श्रमिकों के 31 मेधावी बच्चों को 2-2 लाख की प्रोत्साहन राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत बोर्ड परीक्षा में कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉप 10 में आए पंजीकृत श्रमिकों के कुल 31 मेधावी छात्र छात्राओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 15 जून को न्यू सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में दो-दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस मौके पर श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन और छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

निर्माण श्रमिकों के खाते में 19.71 करोड़ रूपए की राशि की जाएगी अंतरित

श्रम मंत्री देवांगन ने बताया कि मंडल के प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल में 10वीं कक्षा के 26 और 12वीं कक्षा के 5 बच्चों सहित कुल 31 श्रमिक बच्चों को 2 लाख रूपए प्रति छात्र दिए जाएंगे. इसमें 1 लाख रूपए दोपहिया वाहन के लिए और 1 लाख रूपए नकद प्रोत्साहन राशि के रूप में शामिल है। इसी तरह में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने राज्य के 38200 निर्माण श्रमिकों के लिए 19.71 करोड़ रूपए से ज्यादा की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी की जायगी। यह राशि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत प्रदान की जाएगी।

इस प्रकार है योजनाओं और उनके लाभार्थियों की संख्या

मिनीमाता महतारी जतन योजना 1,915 श्रमिकों को 3.83 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना 279 श्रमिकों को 10.33 लाख रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना 6,319 श्रमिकों को 2.19 करोड रूपए, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना 12 श्रमिकों को 94 हजार 800 रूपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना 4,825 श्रमिकों को 96.17 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना 155 श्रमिकों को 37.63 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना 2 श्रमिकों को 40 हजार रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना 4,939 श्रमिकों को 74.08 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना 1 श्रमिक को 50 हजार रूपए, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना 7 श्रमिकों को 7 लाख रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना 264 श्रमिकों को 2.64 करोड रूपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना 2,486 श्रमिकों को 4.97 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना 372 श्रमिकों को 74.40 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना 15,066 श्रमिकों 2.00 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना 25 श्रमिकों को 25 लाख रूपए यह पहल राज्य के निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया नाम रोशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सुदूर वनांचल बीजापुर के खिलाड़ियों ने चंडीगढ़ में आयोजित जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में विजय प्राप्त कर राज्य का नाम देश मे रोशन किया है। बीजापुर की गर्ल्स टीम ने इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गठित टीम में बीजापुर जिले से 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों में अनुराधा कोवासी ,अस्मिता मरपल्ली, ज्योति ओयाम ,रिंकी हेमला, लक्ष्मी बघेल और पूजा कोरसा शामिल है। इन सभी 6 खिलाड़ी ने छत्तीसगढ़ को पदक प्राप्त करने में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

बीजापुर की इन खिलाड़ियों को कलेक्टर के द्वारा पदक पहनाकर स्वागत किया गया। इसी तरह बैंकॉक में आयोजित हुई एशियाई चौंपियनशिप सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में भारतीय टीम में शामिल राकेश पुनेम और राकेश कड़ती का भी सम्मान किया गया। इस दौरान जिले के कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा खिलाड़ियों से खेलने की बारीकियों से लेकर देश-विदेश से आए टीमों के बारे उनके परफॉर्मेंस तथा भारतीय टीम का रेंक इत्यादि के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने खिलाड़ियों हौसला बढ़ाया और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए अच्छे खेल के प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सीमा की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्यः राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका गत दिवस बिहार राज्य के दरभंगा में राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ द्वारा ''सीमा सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जिसकी सीमाएँ हिमालय की ऊंचाइयों से लेकर हिंद महासागर की गहराइयों तक फैली हुई हैं। सीमा की सुरक्षा केवल सैनिकों और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

राज्यपाल डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीमा की रक्षा राष्ट्रीय एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का आधार है। सीमा की सुरक्षा, देश की आंतरिक और बाह्य स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह न केवल बाहरी खतरों जैसे आतंकवाद, घुसपैठ और तस्करी से रक्षा करती है, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित करती है। भारत की सीमाएँ, पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के साथ साझा की जाती हैं, और प्रत्येक सीमा की अपनी अनूठी चुनौतियाँ हैं।

श्री डेका ने कहा कि हमारे सैनिक, प्राणों की बाजी लगाकर सीमा की सुरक्षा करते हैं लेकिन उनकी यह जिम्मेदारी तब और प्रभावी होती है, जब समाज और नागरिक उनका साथ देते हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं और स्थानीय प्रशासन या सुरक्षा बलों को सूचित कर सकते हैं। असामान्य गतिविधियों, जैसे तस्करी या घुसपैठ, की जानकारी देना, देश की सुरक्षा को मजबूत करता है। आज के युग में सीमा सुरक्षा में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है।

ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, और स्मार्ट फेंसिंग जैसे उपकरण सीमा पर निगरानी को और प्रभावी बना रहे हैं। श्री डेका ने कहा कि नागरिक के रूप में, हम तकनीकी नवाचारों को समर्थन दे सकते हैं और सरकार के डिजिटल सुरक्षा प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सनातनी सेवा संघ के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 16 जून से शुरु होगा शाला प्रवेश उत्सव, मुख्यमंत्री साय ने की जनप्रतिनिधियों से सहभागिता की अपील

शिक्षा को जनअभियान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी 16 जून 2025 से नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के समस्त जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर शाला प्रवेश उत्सव में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। यह आयोजन राज्य में शिक्षा के क्षेत्र को सशक्त बनाने और शत-प्रतिशत बच्चों का विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण अवश्य है, परंतु यह असंभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि असंभव को संभव बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को मिलकर सार्थक प्रयास करने होंगे। इसके लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे और सभी बच्चों का समय पर प्रवेश सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री साय ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम प्रभावशील है, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि कक्षा 12वीं तक शाला त्याग दर को धीरे-धीरे शून्य किया जाए। इसके लिए शैक्षणिक अवरोधों को पहचानकर उन्हें दूर करने की जिम्मेदारी सभी हितधारकों की साझा है।

सामाजिक सहभागिता से संवरता भविष्य

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे इस परिकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर परिणाममूलक कार्य करने होंगे। उन्होंने आशा जताई कि सभी जनप्रतिनिधि इस अभियान का नेतृत्व कर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे और छत्तीसगढ़ को एक शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियानः एक ठोस पहल

मुख्यमंत्री साय ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की शुरुआत की जा रही है, जिसका उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारना है। इसके साथ ही, सरकार द्वारा शिक्षकों एवं विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण करते हुए शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों में शिक्षकों की प्राथमिकता से पदस्थापना की गई है, जिससे शिक्षा का अधिकार हर बच्चे तक पहुंच सके।

अधोसंरचना विकास सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में स्कूल शिक्षा क्षेत्र की अधोसंरचना और मूलभूत सुविधाओं के विकास को सरकार ने अपनी शीर्ष प्राथमिकताओं में रखा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे शाला प्रवेश उत्सव के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में व्यक्तिगत सहभागिता करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे।

शाला प्रवेश उत्सव को बनाएं जनअभियान

मुख्यमंत्री के इस पत्र को राज्य में शिक्षा को लेकर एक जनांदोलन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इससे न केवल बच्चों की स्कूल तक पहुंच बढ़ेगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और सामाजिक सहभागिता को भी एक नई दिशा मिलेगी। प्रदेश सरकार के इस प्रयास से उम्मीद की जा रही है कि छत्तीसगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण को गति मिलेगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियानः किसानों ने जाना फसल चक्र परिवर्तन के फायदे

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत गुरुवार को सुकमा जिले के ग्राम चिंगावरम, नागारास, बोदारास, उरमापाल, मड़वाही एवं नुलकातोंग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 29 मई से 12 जून तक पन्द्रह दिनों तक चले विकसित कृषि संकल्प अभियान का समापन कोंटा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मड़वाही में सम्पन्न हुआ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से जिले के 800 से अधिक किसानों ने फसल चक्र परिवर्तन के फायदे की जानकारी प्राप्त की। अभियान के दौरान किसानों को कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के द्वारा बीज उत्पादन, 17 प्रतिशत नमक घोल से बीज उपचार एवं आगामी खरीफ सीजन की तैयारी हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविर में किसानों को जानकारी देते हुए बताया गया कि प्राकृतिक खेती में फसलों के पोषक तत्व की आपूर्ति हेतु जीवाणु खाद फसल अवशेष और प्रकृति में उपलब्ध खनिज जैसे रॉक फास्फेट का उपयोग किये जाते हैं। इनके खेत में उपयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है। प्राकृतिक खेती में बीजामृत, घनजीवामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, दशपर्णी अर्क का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही जैविक खेती में जैव उर्वरक अंतर्गत नील हरित काई, राइजोबियम कल्चर, एजोस्पाइरिलम, एजोटोबैक्टर, स्पूर घोलक जीवाणु (पीएसबी), कचरा अपघटक का उपयोग किया जाता है। किसानों को पोषक तत्वों से भरपूर लघु धान्य फसलों के बढ़ती मांग को देखते हुए रागी, कोदो, कुटकी की फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया। किसानों को बताया गया कि आधुनिक जीवन शैली में बीमारियों मधुमेह, अल्सर, ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमरियों को रोकने के लिए लघु धान्य फसल पौष्टिक एवं गुणकारी है। किसानों को धान के बदले अन्य फसल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने से होने वाले फायदे के संबंध में बताया गया। फसल चक्र परिवर्तन से खरपतवारों का नियंत्रण आसानी से हो जाता है। वहीं कीटों का प्रकोप भी कम होता है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत मृदा परीक्षण के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसानों को अपने खेतों का मृदा का परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। इससे मृदा में पोषक तत्वों की कमी को देखते हुए आवश्यकता अनुसार उर्वरक का उपयोग करने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। किसानों को फसलों में पौध संरक्षण के संबंध में समुचित जानकारी देते हुए रसायनों का उचित प्रयोग करने के लिए बताया गया। उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक कृषि उपकरणों, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही अभियान के दौरान खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों की उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीक, बीज उपचार, धान की सीधी बुआई विधि, पशुपालन एवं उन्नत पशु नस्ल की जानकारी, आधुनिक कृषि यंत्र ट्रेक्टर, थ्रेसर, हार्वेस्टर, स्प्रेयर, राईस ट्रायर, स्ट्रा बेलर, लेजर लैंड लेवलर, ड्रोन से कीटनाशक छिड़काव, उद्यानिकी फसल, मत्स्य पालन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार फसल में संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ितों की नई जिंदगी की शुरुआत

बस्तर में बदल रही तस्वीर, नक्सल हिंसा की जगह अब छाई खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में, जहां कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थीं, वहां अब हर जगह खुशी और उल्लास की गूंज सुनाई देती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति व नियद नेल्लानार योजना के प्रभाव से माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों और नक्सल पीड़ितों ने नई जिंदगी की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत बस्तर संभाग में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह इस बदलाव के साक्षी बने हैं।

सुकमा के मिनी स्टेडियम में 13 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में दो आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों मौसम महेश-हेमला मुन्नी और मड़कम पाण्डू-रव्वा भीमे ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह रचाया।

ये चारों जून 2024 में नक्सल संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण कर चुके थे। मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को

आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर श्री साय ने सुकमा जिले को 206 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी दी। नवदंपतियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी नीतियों और पुनर्वास योजनाओं ने उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया। दंतेवाड़ा के मेंढका डोबरा में मंदिर परिसर में 20 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 220 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन शुरू किया। इनमें पूवर्ती गांव की एक नक्सल पीड़िता और वहां तैनात जवान का जोड़ा भी शामिल था। पूवर्ती, जो कभी खूंखार नक्सली हिड़मा और देवा का गढ़ था, अब सरकार की योजनाओं और सुरक्षा बलों की मौजूदगी से भयमुक्त होकर खुशहाली की ओर अग्रसर है। नियद नेल्लानार योजना के तहत धुरली गांव के दो जोड़ों सीमा भास्कर-रमेश भास्कर और सुंदरी तेलाम-धन्नु कुंजाम ने भी विवाह रचाया। सभी नवदंपतियों के बैंक खातों में 35 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः निर्धन परिवारों का सहारा

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने बस्तर के निर्धन परिवारों को नया जीवन दिया है। योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपये सीधे वधु के खाते में हस्तांतरित होते हैं। श्री विष्णु देव साय सरकार के कार्यकाल में अब तक 15 हजार से अधिक जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत संपन्न हो चुका है।

बस्तर में शांति और विकास की नई इबारत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल विरोधी कार्रवाइयों और कल्याणकारी योजनाओं ने बस्तर के ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार, आवास और आर्थिक सहायता के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। बस्तर संभाग के इन विवाह समारोहों ने साबित कर दिया कि प्यार, विश्वास और सहानुभूति से हिंसा और नफ़रत को हराया जा सकता है। बस्तर अब नक्सलवाद के अंधेरे से निकलकर शांति, प्रेम और विकास की रोशनी में चमक रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950